मेष- चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

इस वर्ष आपको तमाम तरह की शारीरिक व दिमागी तौर पर कड़ी मेहनत करनी होगी। बिल गेट्स के अनुसार 'सफलता' यानी आप जो काम कर रहे हैं उसमें विश्वास, मेहनत और थोड़ा सा भाग्य का मिश्रण ही तो है। इस वर्ष आपको दोहरे फायदे होने वाले हैं। आप के सामने जो अवसर आये उन्हें दोनों हाथों से पकड़ लें, उन्हें चूके नहीं। अपने लम्बित कार्यों को समाप्त कर, नये कार्यों को अंजाम दें, नयी योजनाएं बनाएं और उन्हें क्रियान्वित करें। इस वर्ष आपके स्टेटस, मन व साधारण परिस्थिति में काफी सुधार आयेगा। यह सब प्राथमिकता पर रहेंगे। यह वर्ष आपके लिये तमाम उन्नति व शक्ति का है। अपने लक्ष्य को निश्चित करने के साथ ही अपनी प्राथमिकताओं का पुर्नसंयोजन, आपको लक्ष्य पाने के लिये एकाग्रचित होकर कार्य करने के प्रति भरपूर उत्साह एवं ऊर्जा देगा।

इस सबसे आप आने वाली समस्त बाधाओं को पार कर जायेंगे। शनि इस वर्ष आपको अपने कर्त्तव्यों के प्रति जिम्मेदार बनायेगा। दूसरे शब्दों में आपको अपने प्रेम, बच्चे व दाम्पत्य के प्रति सजग रहना पड़ेगा। लोगों के साथ मेल-जोल, सम्पर्क, विवाह की संभावनाएं हैं। साथ ही गैर जिम्मेदाराना हरकत से अलगाव एवं तलाक की संभावना प्रबल होगी। आपके मौलिक विचार आपके कार्य क्षेत्र व मैनेजमेन्ट में आपको फायदा देंगे। आप कार्य करने के पहले उसे पूरी तरह समझे, व्यवहारिक तौर पर अच्छी तरह समझे, आपके विचार क्रियान्वित करने के लायक हैं या नहीं, वे सरल, स्पष्ट व सटीक हैं कि नहीं, इन बातों पर विशेष ध्यान दें। आपको फण्ड जुटाने में किसी कि मदद हर वक्त मिलती रहेगी। इस वर्ष स्थानान्तरण के योग भी प्रबल हैं।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष आपके लिए आर्थिक स्थिति की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। नये-नये काम से ज्यादा लाभ होने के योग हैं। पूंजी निवेश, शेयर, जमीन-जायदाद से संबंधित व्यवसाय में आपको फायदा हेगा। आपका भाग्य का सहयोग कम होते हुए भी आपकी मेहनत का आपको भरपूर लाभ मिलेगा। आपकी पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपकी उन्नति को देखकर आपके मित्रों को स्वाभाविक जलन हो सकती है। आप नवीन संपत्ति का क्रय कर सकते हैं। आपकी स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। पैतृक संपति से कोई कार्य अटके हुए हैं तो वह पूर्ण होंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों से हो सके तो दूरी बनाये रखें। मौज-शौक में धन का व्यय होगा। लेकिन आप समझदार हैं इसलिए सोच-समझकर खर्च करेंगे। संतान का समय मौज-शौक में बीतेगा उनकी जरूरतों की पूर्ति होगी। उनके मनोनुकूल वाहन इत्यादि की खरीद हो सकती है।

घर और परिवार-

घर परिवार की तरफ से यह वर्ष आपके लिये शुभ समाचारों के संदेश लायेगा। घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी के साथ सम्बन्ध मधुर बनेंगे। छोटे भाई-बहनों का स्वास्थ्य अच्छा होगा। ऊपरी मन से ही सही परन्तु आपका सहयोग करेंगे। काम के प्रति उनका रूझान बढ़ेगा। नौकरी व्यापार इत्यादि के लिये प्रयासरत् हैं तो कार्य सम्पन्न होगा। माता का स्वास्थ्य उत्तम होगा। माता के नाम की सम्पत्ति में फायदा होगा। माता की तरफ से आपको कुछ उपहार भी मिल सकता है। माताजी यदि नौकरीपेशा या व्यवसायी हैं तो उन्नति के योग हैं। इस वर्ष उनकी स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आपका स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। पिता का सहयोग भी आपको प्राप्त होगा। पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पारिवारिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहेंगे। अविवाहित संतान की समस्या हल होगी। संतान की तरफ से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। विवाहित संतान आपको दादा-नाना बनने की खुशी दे सकती है। जीवन साथी का स्वभाव कुछ-कुछ परेशानी भरा होगा।

स्थायी सम्पत्ति-

इस वर्ष आप अपनी नयी सम्पत्ति के क्रय-विक्रय में व्यस्त रहेंगे। पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति के योग हैं। आधुनिक सुविधाओं की वस्तुओं को खरीदने के योग उत्तम होंगे। नये वाहन की खरीददारी होगी जो आपके मन को आनन्दित करेगी। नये जेवरात खरीदने की इच्छा पूर्ण होगी। मकान, दुकान, जमीन आदि खरीदने के योग पूर्ण हैं। सम्पत्ति के नवीनीकरण के लिये दृढ़ संकल्प होंगे। दुकान, ऑफिस, घर के फर्नीचर को फेर-बदल करने के प्रति उत्साहित होंगे। बच्चों के लिये नया वाहन आ सकता है। इस वर्ष पत्नी एवं बच्चों की मन की इच्छाओं को पूर्ण करने का अवसर मिलेगा। पत्नी के नाम से कोई सम्पत्ति का क्रय करेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जमीन-जायदाद संबंधित विवादों में विजय प्राप्त होगी जिससे आपकी स्थायी सम्पत्ति में बढ़ोतरी होगी।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिये प्रतिकूल रहेगा। आपके ब्लड प्रेशर व हृदय संबंधित रोगों के प्रति आप पूर्णतः सावचेत रहेंगे। आप अपने बोलने पर थोड़ा संयम रखें। पारिवारिक सदस्य आपके सामने मीठे बोलकर पीछे दुश्मनी निकालेंगे। छोटे भाई-बहिनों को समझने में आप समर्थ होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी लेकिन साथ ही खर्चे भी बढ़ते रहेंगे। काम-काज वाली महिलाओं को कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। आपके जीवन साथी का आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। माता का स्वास्थ्य नरम रहेगा। संतान को लेकर चिन्ता रहेगी। वर्ष के मध्योपरान्त चिन्ता अधिक बढ़ जायेगी। आप ज्यादा भावुक एवं संवेदनशील ना बने। पिता व बड़े भाई-बहिनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। शिक्षा में श्रम अधिक करने की आवश्यकता है। विवाह के लिये अनुकूल समय है। जीवन साथी चुनने में पूर्ण विवेक से निर्णय लें, जल्दबाजी में कोई कदम ना उठाये अन्यथा वर्ष पर्यन्त एक-दूसरे को समझने में असमंजस की स्थिति होगी। आपमे धार्मिकता का भाव प्रबल होगा। आप पीली वस्तुओं का दान करें व शनि देव की उपासना करें तो धन लाभ होगा और समस्याएं भी कम होगी। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलने की संभावना न्यून रहेगी। आपकी जीवन यात्रा बड़े आश्चर्यों से और उत्साह के क्षणों तक अचम्भित कर देने वाली घटनाओं से भरी होगी।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष उपलब्धियों भरा नहीं कहा जा सकता। विद्यार्थी इधर-उधर की फिजूल गतिविधियों में समय व्यर्थ ना करें अन्यथा इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। माध्यमिक शिक्षा से संबंधित विद्यार्थियों को कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। उनका अभ्यास ही परिणाम सुधार सकता है। विज्ञान वर्ग, गणित एवं संस्कृत से संबंधित विद्यार्थियों के लिए समय विपरीत है। इसलिए पढ़ाई पर ज्यादा जोर रखें। वाणिज्य से संबंधित विद्यार्थियों के लिए समय थोड़ा अच्छा कहा जा सकता है। स्नातक के विद्यार्थियों को सफलता तो मिलेगी लेकिन अथक परिश्रम के पश्चात् संक्षेप में कहा जा सकता है कि विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं कहा जा सकता। आप सरस्वती कवच धारण करें।

आपका स्वास्थ्य क्षेत्र-

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। रक्त संबंधित रोग आपको घेर सकते हैं। छोटी-मोटी बीमारियां आपको परेशान करेगी इसलिए सावधानी जरूरी है। वर्षारंभ से वर्ष के मध्य तक आप स्वास्थ्य की तरफ से सचेत रहें क्योंकि वक्री आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा। आप अपने कार्यों में अत्यधिक व्यस्त ना रहें, अन्यथा आपकी लापरवाही आपके विपरित स्वास्थ्य का कारण बनेगी। स्वास्थ्य के लिए आप शनि के दान इत्यादि करें। दुर्गा सप्तशती के रोग निवारक मंत्रों का नित्य जाप करें, शांति मिलेगी, कष्ट से मुक्ति मिलेगी। धार्मिक यात्राएं होने का योग है, परन्तु यात्रा में पूर्ण सावधानी बरतें। वाहन चलाने में सतर्कता बरतें। वर्ष में छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। मौसमी बीमारियों से आप परेशान रहेंगे। पिता को गठिये का रोग तथा पीठ में दर्द की शिकायत हो सकती है। संतान का स्वास्थ्य भी आपकी परेशानी का सबब बन सकता है। माता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। वर्ष के अन्त में पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्ता हो सकती है। इसलिए इस वर्ष आप स्वास्थ्य की दृष्टि से विशेष तौर पर सावधान रहें।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आप बिजली, रेडियो, टी.वी. तांबा, धातु से संबंधित कार्य, ठेकेदारी, स्वर्ण का व्यापार, औषधियाँ, भोजनालय, रेस्टोरेंट, शस्त्र व पटाखे बनाने का काम, खेती का काम, फर्नीचर का कार्य भी कर सकते हैं। सरपंच भी बन सकते हैं। आयुर्वेद के वैद्य व मिल के मजदूर व दर्जी का काम भी कर सकते हैं। गुड़, मिर्च, मसूर, सोना, तांबा, धान्य-गल्ला, खनिज पदार्थ आदि के कार्यों से आशातीत सफलता एवं लाभ प्राप्त होगा।

कब होगा आपका भाग्योदय?

आपका भाग्येदय 28वें वर्ष के बाद होगा। पूर्व दिशा आपको शुभ रहती है। जीवन के 16, 18, 25, 27, 30, 34, 43, 52, 54 व 63 वें वर्ष शुभ हैं।

क्या व कब दान करें?

कष्टों से मुक्ति के लिए **"ॐ ह्रीं मं मंगलाय नमः"** के 11000 जप करें। घी, हाथी दांत, मूंग, पन्ना, कांसे का कटोरा, स्वर्ण, कपूर, फल, शंख, षटरस भोजन दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आपको चाहिये कि यदि नये पार्टनर या मित्र बनाएं तो यह ध्यान रखें कि मेष, सिंह, तुला, कुम्भ, धनु व मीन राशि के व्यक्तियों को ही महत्व दें। इन्हीं राशि के मित्रों पार्टनरों तथा अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। इन्हीं राशियों के स्थान, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों से आपके कार्य सिद्ध होंगे।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

मेष, सिंह, तुला, कुंभ, धनु, मीन। इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप तुला, कुंभ राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। धनु, मीन, मेष व सिंह राशि के लोगों के साथ आपका अच्छा सहयोग व मानसिक स्थिरता रहेगी। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में सहायक होगी।

आपकी राशि के शुभ अंक-

आपकी राशि के शुभ अंक हैं 1, 2, 3, 6 तथा 9। इन शुभ दिनांकों में यदि आप कार्य करते हैं या इन अंकों के लोगों से व्यापार या मित्रता करते हैं तो आपकी सफलता की पूर्ण संभावना बनती है।

आपका भाग्यशाली अंक-

1 और 9 आपका भाग्यशाली अंक है। यह अंक आपके लिये विशेष सफलतादायक व शुभ रहेंगे।

आपका शुभ रंग-

आपका शुभ रंग है लाल, पीला, नारंगी, और सुनहरा (गोल्डन)।

शुभ रत्न व उपरत्न-

आपका शुभ रत्न है मूंगा, मोती और पुखराज। इन्हें धारण कर आप अपने भाग्य के दरवाजे खोल सकते हैं। सौभाग्य को प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष आपके लिये लाभदायी उपरत्न हैं राक-क्रिस्टल, अम्बर, कहस्वा।

शुभ आराध्य देवता-

यदि आप कार्तिकेय और हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें तो विशेष रूप से लाभप्रद रहेगा।

आपका शुभ यंत्र-

आपके लिये मंगल यंत्र की पूजा-उपासना करना अतिश्रेयस्कर रहेगा। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन मंगल यंत्र की पूजा करें। इस यंत्र को मंगलवार के दिन स्थापित करें और मंगल मंत्र का नित्यप्रति जाप करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

तंदूर की मीठी रोटी बनाकर गाय को खिलाएं। किसी भी वस्तु को मुफ्त ग्रहण न करें। लाल रंग का रूमाल हमेशा साथ रखें। विधवाओं की सहायता करें व आशीर्वाद प्राप्त करें। मीठी वस्तुओं का व्यापार न करें। मद्यपान व नशा से परहेज करें। दिन ढलने से पहले गेंहू, गुड़ बालकों को दान करें। स्वर्ण आभूषण धारण करें। लाल चंदन धर्म स्थान में दें तथा मसूर की दाल भी। सुबह धर्म स्थान की सफाई करें। बाएं हाथ में चाँदी का छल्ला बिना जोड़ के धारण करें। घर में कैक्टस का पौधा लगाएं। यदि घर में गार्डन न हो तो आप कुछ गमलों में पौधे लगायें।

उपरोक्त उपायों को जीवन में अपनाकर आप अपनी राशि पर पड़ रहे मंगल ग्रह के दुष्प्रभाव को कम कर सकते हैं और शान्ति का अनुभव करेंगे। आपको समय रहते आवश्यक उपचार करने चाहिये।

मेष राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

दाम्पत्य जीवन में तनाव हो तो उसे दूर करने के लिए आपको शुक्रवार के दिन किसी कन्या को बुलाकर सफेद मीठी वस्तु खिलानी चाहिए तथा यह प्रयोग ग्यारह बार करना चाहिए।

प्रत्येक मंगलवार को हनुमानजी के मन्दिर में जाकर बूंदी का प्रसाद चढ़ाकर बांटना शुभ रहेगा। इससे जीवन में अकस्मात् परेशानियां नहीं आयेगी।

जीवन में उन्नति के लिए आपको लाल रंग के कपड़े पहनना शुभ रहेगा। यदि आपका स्वभाव गर्म हो तो लाल वस्त्रों को पहनने से परहेज करें तथा उपहार स्वरूप लाल रंग के वस्त्र एवं अन्य लाल रंग की वस्तुएँ नहीं लें।

कोई भी महत्वपूर्ण कार्य मंगलवार को करें तो श्रेष्ठ फल प्राप्त होगा।

मेष राशि के व्यक्तियों को शिक्षा में सफलता के लिए घर में लाल रंग के पुष्प उत्पन्न करने वाले पौधे लगाने चाहिए।

यदि आपका उत्साह कम रहता हो तो मंगलवार के दिन लाल चन्दन का तिलक लगाना चाहिए।

यदि आपकी नौकरी में व्यवधान आ रहा है तो हरे रंग के फूल एवं पत्तियों वाले पौधे घर में लगाकर उन्हें नियम से सींचे।

मेष राशि वाले व्यक्तियों को जीवन में सभी प्रकार से उन्नति के लिए शिव मन्दिर में सोमवार के दिन कच्चा दूध चढ़ाना चाहिए।

शनि की साढ़ेसाती एवं ढैय्या का विचार-

इस वर्ष आप 02 नवम्बर 2014 से 26 जनवरी 2017 तक शनि के ढ़ैय्या के प्रभाव में रहेंगे। अतः शनि के समुचित उपाय करने पर राहत मिलेगी।

♦♦♦

वृष- ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपको अनेकानेक कार्य बाधाओं, कार्य विलंबता व परेशानियों के कारण शांति नहीं रख पायेगा। यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फल वाला होगा। कभी हर्ष तो कभी विषाद, कभी खुशी तो कभी गम, कभी धन की सुगमता तो कभी विषमता, कभी स्वस्थ तो कभी अस्वस्थ। घर-परिवार में वर्षपर्यंत मांगलिक एवं शुभ कार्य होंगे। किसी परिजन की स्वास्थ्य सेवा में आप व्यस्त हो सकते हैं। भाईयों, मित्रों से अकारण ही तनाव पैदा हो सकता है। स्थायी-संपत्ति खरीद के अवसर हैं। यह वर्ष अनेकानेक रूप से परिवार में आए तनाव को निश्चय ही कम करेगा। माता, मकान, वाहन आदि पर वर्षपर्यंत शुभ खर्च होते रहेंगे। रूका हुआ भवन निर्माण इस वर्ष पूर्ण होगा। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों का विवाह होगा। आपकी सकारात्मक सोच कुंटुंब व परिवार के प्रति समर्पण भाव, पारिवारिक व सामाजिक तौर पर वर्चस्व बढ़ाने वाला रहेगा। पड़ौसियों से मन-मुटाव हो सकता है। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी रह सकती है। व्यापार की तरफ ध्यान दें, तथा स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

यह वर्ष आपके लिए आर्थिक स्थिति से अच्छा साबित होगा। नये व्यवसाय, नौकरी के प्रति आपके प्रयास आपको सफलता दिलायेंगे। कार्य के प्रति आपमें ऊर्जा का भाव रहेगा। शेयर मार्केट व सट्टे में निवेश करने के पहले विचार विमर्श कर लें। आपको वर्ष पर्यंत छोटे-बड़े आर्थिक लाभ मिलते रहेंगे। यदि आप प्रमोशन को लेकर प्रयासरत हैं तो सफलता मिलेगी। विदेशी कार्य से भी आपको निरंतर आय मिलती रहेगी। व्यापार को लेकर छोटी-बड़ी यात्राएं भी संभव है। यह यात्राएं आपकी प्रगति में सहायक होगी। आपके अंदर आत्मविश्वास की वृद्धि होगी एवं धन प्राप्ति के भी योग भी बनेंगे। वर्ष पर्यंत आप शक्ति व ऊर्जा से भरे होंगे लेकिन यदा-कदा कार्य के प्रति आपका रूझान कम हो जायेगा। आप एक साथ कई तरह के कामों से आर्थिक लाभ पाने की कोशिश करेंगे। लेकिन यह संभव नहीं है। आप अपने खर्चों पर नियंत्रण रखें अन्यथा आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती है।

घर और परिवार-

घर परिवार की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं है। कुटुंबीजनों का सहयोग नहीं के बराबर मिलेगा। मांगलिक कार्य में बाधाएं आयेंगी लेकिन अंत में आप उनका समाधान निकाल लेंगे। आपका दृष्टिकोण परिवार वालों के लिए कोई मायने नहीं रखेगा। आपको इस वर्ष अपनों का सहयोग पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होगा। अगर आप अविवाहित हैं तो जीवनसाथी को चुनने में दिलोदिमाग से काम लें अन्यथा विकट समस्या खड़ी होगी। माता को फेफड़ों में तकलीफ, शीतप्रकोप रोग, ऋतु परिवर्तन जनित व्याधियां परेशान किये रहेगी। पिता को वर्ष के अंत में हृदयाघाट व ब्लडप्रैशर की शिकायत हो सकती है। नौकरी में प्रमोशन व स्थानांतरण के योग हैं। संतान के विवाह के योग बनेंगे। विवाहित संतान की तरफ से हर्ष के समाचार प्राप्त होंगे। संतान को गलत मित्रों की संगत से बचायें अन्यथा राह भटक सकते हैं। संतान विदेश जाने के लिए प्रयासरत हैं तो मनोनुकूल सफलता प्राप्त होगी।

स्थायी सम्पत्ति-

स्थायी संपत्ति की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल है। नयी संपत्ति खरीदने से ज्यादा पुरानी संपत्ति को पुनर्निर्माण व नवनिर्माण करने के योग ज्यादा हैं। नया वाहन तथा जेवराती खरीद्दारी होने के योग हैं। नया वाहन सोच-समझकर लें अन्यथा सर्विस सेन्टर के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। छोटी-बड़ी खरीद-फरोख्त से स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। लेकिन कोई विशेष योजना लंबित होगी। इस समय जीवनसाथी के नाम से संपत्ति का क्रय कर सकते हैं। उनके लिए जमीन-जायदाद की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। आप इस स्थिति से कितना लाभ उठा सकते हैं, यह आप पर निर्भर करता है।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल होगा। छोटी-बड़ी बीमारी भले हो लेकिन विशेष परेशानी वाली बात नहीं होगी। आप अपने ब्लडप्रैशर व खानपान पर थोड़ा संयम रखें। वर्ष के अंत में आप थोड़े स्त्री रोगों से परेशान हो सकते हैं। यदि आप विद्यार्थीं हैं तो शिक्षा की तरफ से मन विचलित होगा। आपको ज्यादा श्रम करने की आवश्यकता है। पारिवारिक दृष्टि से संबंधों में तनाव रहेगा। छोटे भाई-बहिनों से नोक-झोंक हो सकती है। आर्थिक, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। गर्भवती स्त्रियां सावचेतीपूर्वक रहें अन्यथा परेशानी हो सकती है। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा। बिना किसी विशेष तनाव के वर्ष शांतिपूर्ण व्यतीत हो जायेगा। अविवाहित कन्या के विवाह के लिए सोच-समझकर फैसला लेने का समय है। आपके विवाह के योग उत्तम हैं।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष शुभ है। इस वर्ष दिमाग को स्थिर रखकर पढ़ाई करने का समय है। उलजुलूल की बातों में समय नष्ट न करें। बाहरी दुनियां की तरफ आपका ध्यान आपकी शिक्षा में अवरोध स्थापित करेगा। पूर्ण रूप से मित्रों की राय पर निर्भर ना रहें विज्ञान, भौतिक शास्त्र, गणित से संबंधित विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। स्नातक वर्ग के विद्यार्थी, इंजीनियरिंग, आर्किटेक्ट, स्टेटिक्स जैसी अंकों वाली परीक्षा में सफलता के योग हैं। कम्प्यूटर, इलेक्ट्रोनिक्स से संबंधित विद्यार्थियों को मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होंगे। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा से संबंधित विद्यार्थियों को विशेष सतर्कता की आवश्यकता है। व्यर्थ की बातों में समय न गवांए, अन्यथा अपना साल बर्बाद कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

यह वर्ष आपके लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य रहेगा। मन में बीमारी की आशंका बनी रहेगी। आप मनमौजी स्वभाव के हैं अतः आप छोटी-मोटी बीमारी को तो यूं ही नजरअंदाज कर देंगे। आपको ब्लडप्रैशर व हृदय संबंधी बीमारी की आशंका हो सकती है। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि किसी अनावश्यक कार्य में फालतू साहस दिखाने की कोशिश ना करें अन्यथा आपको भारी पड़ सकता है। यात्राओं में थोड़ी सावधानी रखें अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता है। स्वास्थ्य की छोटी-मोटी परेशानी से आप चिड़चिड़े हो

जायेंगे और दूसरों पर झल्लाहट भरा व्यवहार करेंगे। जुबान पर नियन्त्रण रखें तो लाभ में रहेंगे।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आपको खेती, कपास, चित्रकला, फोटोग्राफी, वस्त्र व्यवसाय, स्टेशनरी, फिल्म, इत्र, मिठाई, शहद, शराब, शक्कर, चांदी, चावल, गेहूं, श्रृंगार साधनों का व्यवसाय करना चाहिए। यदि राज्य सेवा में हैं तो आप अंग्रेजी भाषा के प्राध्यापक, उच्च अधिकारी व सचिव भी बन सकते हैं तथा मुख्य-सचिव के पद तक भी पहुँच सकते हैं। आप संगीतज्ञ, कवि भी हो सकते है।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्योदय हेतु जीवन का 12 वां वर्ष आपके पिता का भाग्योदय करेगा। भाग्योदय हेतु जीवन के 15, 24, 33, 42, 51, 60 वें वर्ष श्रेष्ठ रहेंगे।

क्या व कब दान करें?

रोगों से बचने के लिए ''ॐ शुं शुक्राय नमः'' मंत्र के सोलह हजार जप करें या करावें। सफेद चावल, सफेद चन्दन, सफेद वस्त्र, चांदी, हीरा, घी, स्वर्ण, दही, इत्र, शक्कर, गेहूँ, शुक्रवार के दिन दक्षिणायुक्त दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

साझेदारी में कार्य करें तो सोच समझ कर निर्णय लें। नुकसान की भावना तो नहीं होगी लेकिन भविष्य के लिये परेशानी खड़ी हो सकती है। इस वर्ष आय के नवीन स्त्रोत बढ़ेंगे। इस वर्ष मित्रों के साथ आपके सम्बन्ध बहुत अच्छे होंगे। आपकी कामयाबी में उनका पूर्ण सहयोग होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लेकिन साझेदारी उन्हीं के साथ करें जिनसे आपको लाभ हों। आप चाहे तो मकर, कुम्भ व मीन राशि वाले व्यक्तियों के साथ व्यवसाय/व्यापार सम्बन्धी लेन-देन कर सकते हैं, लाभ में रहेंगे। गुप्त बातों को कभी किसी के सामने न खोलें मित्रों में भी कुछ अविश्वासी हो सकते हैं, जो आपके साथ परेशानी खड़ी कर दें।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

आपकी सहयोगी राशियाँ मकर, कुम्भ और मीन हैं। इन राशियों के साथ आप किसी भी प्रकार का लेन-देन करें अथवा इन पर विश्वास करें तो आप लाभ में रहेंगे।

आपकी राशि के शुभ अंक-

आपके शुभ अंक 4, 6 व 8 हैं। इन अंकों का उपयोग करने पर आप आशानुरूप लाभ प्राप्त कर पायेंगे। उपरोक्त अंक आपके लिये शुभकारी हैं।

आपका भाग्यशाली अंक-

आपका भाग्यशाली अंक है 5, 6 तथा 8। यह अंक आपके भाग्य के दरवाजे खोल सकते हैं। इन अंकों का उपयोग करें और लाभ प्राप्त करें।

आपका शुभ रंग-

आपका शुभ रंग सफेद, क्रीम व नीला रंग है। इन रंगों का सभी जगह उपयोग करें ताकि आपको पूरी सफलता मिले। इन रंगों से संबंधित वस्तुओं का व्यापार/व्यवसाय आपको उचित लाभ दिला सकता है।

शुभ रत्न व उपरत्न-

आपका शुभ रत्न हीरा, पन्ना और फिरोजा है। इस वर्ष आप इनमें से कोई रत्न धारण करें तो ग्रहों का अनुकूल प्रभाव आपको प्रभावित करेगा और आप प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। जहाँ तक हो सके हीरा धारण करें, यह बहुत लाभकारी रहेगा। इन रत्नों के अभाव में आप उपरत्न भी धारण कर सकते हैं जैसे जरकन व ओपल। यह भी लाभकारी सिद्ध होंगे।

शुभ आराध्य देवता-

वृष राशि वाले लोगों के लिये शुभ आराध्य देवता है माँ महालक्ष्मी और धनपति कुबेर। इनकी पूजा-उपासना आपको सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य प्रदान करेगी। प्रत्येक क्षेत्र में सफलता आपके कदम चूमेगी।

आपका शुभ यंत्र-

शुभ आराध्य देवताओं के अनुसार ही आपको लक्ष्मी के यंत्र ''श्रीयंत्र'' और कुबेर के यंत्र ''कुबेर यंत्र'' को स्थापित करना चाहिये और इनका मंत्र जाप करना चाहिये। आपके लिये यह अति उत्तम रहेगा।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

घी का चिराग प्रतिदिन जलायें। गाय को चारा डालें। 10 दिन गणपति की उपासना करें। शनिवार को सरसों या तिल का तेल दान करें। चीनी, गुड़ चीटियों कों डालें। किसी रूमाल में बांधकर चावल, चाँदी हमेशा पास रखें। मद्यपान का सेवन न करें। सूरदास को भोजन करवायें। घड़े के ऊपर ढ़क्कन रखकर तथा उसमें तांबे का सिक्का डालकर जल प्रवाह करें। मीठा खाकर कोई भी कार्य प्रारंभ करें।

वृष राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

यदि पैतृक धन एवं कुटुम्ब से जुड़ी परेशानियाँ चल रही हों तो सफेद आक की जड़ लाकर बुधवार के दिन दाहिनी भुजा पर हरे रंग के धागे से बाँधनी चाहिए। यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नहीं हो रहा हो तो अपनी जेब या बटुएँ में विधारा की जड़ को बुधवार के दिन रखना चाहिए। यदि संतान पक्ष से चिंताए हो तो संतान सुख के लिए बुधवार के दिन मौन व्रत करना चाहिए।

यदि वाद-विवाद एवं दुर्घटना आदि के कारण धन का अपव्यय हो रहा हो, तो शनिवार के दिन आटे का दीपक बनाकर सरसों के तेल में रूई की बत्ती डालकर संध्या के समय पीपल के वृक्ष के पास जलाना चाहिए। यदि पीपल वृक्ष एकांत में हो तो यह उपाय करने से आकस्मिक धन-हानि की स्थितियों से छुटकारा मिल जाता है। यह प्रयोग कम से कम 5 बार अवश्य करना चाहिए। यदि उत्साह भंग हो गया हो तो शुद्ध चाँदी का कड़ा दाएं हाथ में धारण करें।

यदि आपको मनोकामना की पूर्ति करनी हो तो संबंधित कामना को भोजपत्र पर हल्दी से लिखकर पवित्र जल से विसर्जित कर दें। यदि धनमार्ग अवरुद्ध हो रहे हों तो केसर तथा पीले चंदन का तिलक माथे पर लगाने से आमदनी के स्तोत्र खुल जाते हैं, साथ ही मन्दिर में जाकर राम दरबार के समक्ष दण्डवत् प्रणाम करना चाहिए।

यदि शिक्षा में व्यवधान आ रहा हो एवं मानसिक एकाग्रता भंग हो रही हो तो बुधवार के दिन प्रातःकाल भूरी गाय को हरा चारा डालें। यदि गाय संपूर्ण चारे को खा ले तो आपकी शिक्षा में व्यवधान हट जायेगा अन्यथा आगामी समय में और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

आपको वर्तमान समय किसी भी प्रकार से शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव नहीं है। हाँ, 26 जनवरी 2017 से आपको शनि का ढैय्या लग जायेगा।

♦♦♦

मिथुन- का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आर्थिक दृष्टि से आपके लिए शुभ रहेगा। पैसे की आवक बनी रहेगी। आपको भाग्य और कर्म का लाभ साथ-साथ होगा। कार्य की व्यस्तता वर्ष-पर्यंत बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ टकराव की स्थिति से बचें। सामान्य तौर पर संबंध अच्छे रहेंगे। मित्रों के साथ सामंजस्य बना रहेगा। पार्टनर के साथ में छोटी-मोटी झड़प हो सकती है। आंख मूंदकर किसी पर भी विश्वास न करें। आयात-निर्यात के व्यवसाय में लाभ मिलेगा। बाहरी देशों से धन की आवक बनी रहेगी। विलासिता से संबंधित वस्तुओं पर खर्च होगा। वर्ष पर्यंत मित्रों का जमावड़ा बना रहेगा। संतान शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति अर्जित करेगी। संतान की शिक्षा, उच्च शिक्षा में धन का व्यय होगा। संतान से इस वर्ष अच्छे व मधुर संबंध रहेंगे। शेयर इत्यादि में पूंजी निवेश कर सकते हैं। छोटे निवेश आपको लाभ देंगे। आप अपने भाग्य को सराहेंगे। वर्ष के अंत में आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत पायेंगे साथ ही पारिवारिक व कौटुंबिक परिस्थितियां भी सामान्य होती नजर आयेगी। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। मौसमी बीमारियों का आक्रमण हो सकता है। छोटी-मोटी बीमारी आपको परेशान कर सकती है।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आय के विभिन्न स्रोतों से धन की आवक बनी रहेगी। शेयर, सट्टे इत्यादि में सोच-समझकर किया हुआ निवेश आपको लाभ देगा। आयात-निर्यात के कार्य से लाभ मिलेगा। आप अपनी आय का पर्याप्त हिस्सा घर के आधुनिकीकरण व विलासिता की सामग्री पर खर्च करेंगे और आगे भी भौतिक विलासित की तरफ इस वर्ष आपका रूझान बना रहेगा। ईश्वर को याद करने के लिए समय का अभाव होगा। आप अपने अधिनस्थों की तरफ सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखेंगे। और यह आपको लाभ देगा। मित्रों और पार्टनर का सहयोग एवं इनकी सलाह आपको लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगी। यदि आप अपने धन संबंधी मामलों में व्यवस्थित रहें तो आप अपनी जमा पूंजी में वृद्धि करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ होगी।

घर और परिवार-

इस वर्ष जीवन साथी के साथ छोटे-मोटे झगड़े-फसाद हो सकते हैं। लेकिन स्थिति आपके काबू में होगी। नौकरी पेशा व्यक्तियों को प्रमोशन के साथ स्थानांतरण की पूरी संभावना है। इस वर्ष कुटुंबीजनों का ऊपरी सहयोग आपको प्राप्त होगा। जग दिखाई के लिए आपका मेलजोल बना रहेगा। आंतरिक तौर पर वैचारिक मतभेद की स्थिति होगी। छोटे भाई-बहिनों का व्यवहार ऊपरी दिखावे से भरपूर होगा। इस व्यवहार से आपका मन उदास हो सकता है। माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर शायद ही कोई परेशानी होगी। इस वर्ष आप शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ होंगे। अविवाहित संतान की चिंता आपको परेशान रखेगी। यात्रा के योग भरपूर होंगे जो आपको खर्चों की बहुलता के साथ-साथ आर्थिक उन्नति के नये रास्ते भी खुलेंगे।

स्थायी सम्पत्ति-

फरवरी-मार्च का समय आपके लिये वाहन, ज्वैलरी, भूमि-भवन आदि खरीदने के लिये श्रेष्ठ समय है। इस वर्ष नयी सम्पत्ति को विकसित करने के योग हैं। आप अपनी स्थायी सम्पत्ति में फेर-बदल कर उसे पुनःनिर्माण करेंगे। आपके द्वारा खरीदी गई कोई वस्तु जीवन साथी के साथ मनमुटाव का कारण बनेगी। पैतृक सम्पत्ति आपके पास आते-आते रह जायेगी। यदि आप विवेक से एवं उचित-अनुचित का ख्याल कर कोई निर्णय लेंगे तो इसमें आपको लाभ ही होगा अन्यथा हानि उठानी पड़ सकती है। घर में आधुनिक उपकरणों की खरीददारी हो सकती है। इस वर्ष अक्टूबर-नवम्बर के बाद व्यापारिक अनुबन्ध को जरा सोच-विचार कर करें।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्त्री वर्ग के लिए स्वास्थ्य संबंधित अनुकूलता रहेगी। वर्ष के मध्योपरांत छोटी-मोटी बीमारियां परेशान कर सकती है। अपने वक्तव्यों पर ध्यान दें। क्योंकि लोग आपके बोलने के कई अर्थ निकालेंगे अतः ज्यादा बोलने से परहेज करें। बिन मांगे किसी को अपनी राय न दें अन्यथा पारिवारिक समस्या खड़ी हो सकती है। माता के स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी। पिता के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रह सकता है। इस वर्ष आपको महसूस होगा कि संतान आपके कहने में रहेगी। जो अब तक अपनी मन मर्जी पर चल रही थी। आप संतान की प्रगति देखकर खुश होंगे। जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा। क्योंकि वृषभ राशि के जातक अपनी गृहस्थ जीवन के प्रति सकारात्मक सोच सकते हैं। आपके नाम से संपत्ति का क्रय होगा। आप विद्यार्थी हैं तो इस वर्ष शिक्षा की तरफ रूझान बढ़ेगा होगा और देश-विदेश की समस्याओं में स्वयं को व्यस्त रखेंगे। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने कार्य को ज्यादा एकाग्रचित्त होकर करें और शिक्षा की तरफ ध्यान दें, आपको भारी सफलता मिलने के आसार हैं।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष उपलब्धियों भरा नहीं कहा जा सकता। विद्यार्थी इधर-उधर की फिजूल गतिविधियों में समय व्यर्थ ना करें अन्यथा इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। माध्यमिक शिक्षा से संबंधित विद्यार्थियों को कड़े परिश्रम की आवश्यकता है। उनका अभ्यास ही परिणाम सुधार सकता है। विज्ञान वर्ग, गणित एवं संस्कृत से संबंधित विद्यार्थियों के लिए समय विपरीत है। इसलिए पढ़ाई पर ज्यादा जोर रखें। वाणिज्य से संबंधित विद्यार्थियों के लिए समय थोड़ा अच्छा कहा जा सकता है। स्नातक के विद्यार्थियों को सफलता तो मिलेगी लेकिन अथक परिश्रम के पश्चात् संक्षेप में कहा जा सकता है कि विद्यार्थी वर्ग के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं कहा जा सकता। आप सरस्वती कवच धारण करें।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। रक्त संबंधित रोग आपको घेर सकते हैं। छोटी-मोटी बीमारियां आपको परेशान करेगी इसलिए सावधानी जरूरी है। पुराने रोग उभर सकते हैं। वर्षारंभ से वर्ष के मध्य तक आप स्वास्थ्य की तरफ से सचेत रहें क्योंकि इस समय में आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आप अपने कार्यों में अत्यधिक व्यस्त ना रहें, अन्यथा आपकी लापरवाही आपके विपरित स्वास्थ्य का कारण बनेगी। स्वास्थ्य के लिए आप शनि के दान इत्यादि करें। दुर्गा सप्तशती के रोग निवारक मंत्रों का नित्य जाप करें, शांति मिलेगी, कष्ट से मुक्ति मिलेगी। धार्मिक यात्राएं होने का योग है, परन्तु यात्रा में पूर्ण सावधानी बरतें। वाहन चलाने में सतर्कता बरतें। वर्ष में छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। मौसमी बीमारियों से आप परेशान रहेंगे। पिता को गठिये का रोग तथा पीठ में दर्द की शिकायत हो सकती है। संतान का स्वास्थ्य भी आपकी परेशानी का सबब बन सकता है। माता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। वर्ष के अन्त में पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिन्ता हो सकती है। इसलिए इस वर्ष आप स्वास्थ्य की दृष्टि से विशेष तौर पर सावधान रहें।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आप विद्युत अभियन्ता, प्रशासनिक अधिकारी, ज्योतिषी, मुंशी, समाचार-पत्र प्रकाशक व सम्पादक, डाक-तार विभाग की सेवा कमीशन एजेन्सी, उच्चस्तरीय व्याख्याता, वैज्ञानिक, टेलीफोन, नृत्य, संगीत का काम कर सकते हैं। बड़े-बड़े उद्योग लगाने की भी आप में क्षमता है। धन यदि आप किसी को उधार देंगे तो वह वापिस लौटेगा नहीं।

कब होगा आपका भाग्योदय?

आपका बचपन कष्टप्रद बीतेगा तथा भाग्योदय 21 से 32 वर्ष की आयु के मध्य धीरे-धीरे होगा। भाग्योदय हेतु 32, 33, 36, 38, 41, 47, 50, 54, 55, 56, 61, 63 वें वर्ष अच्छे रहेंगे। भाग्यवृद्धि हेतु हरी हकीक, पन्ना या चित्तकबरा ओपल रत्न धारण कर सकते हैं।

क्या व कब दान करें?

संकटों से बचने हेतु **"ॐ बुं बुधाय नमः"** मंत्र के 9 हजार जप करें तथा कांसा, हाथी दांत, घी, मूंग, पन्ना कपूर, शंख, पुष्प, षटरस भोजन का दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय या व्यापार शुरु करने जा रहे हैं तो यह वर्ष आपके लिए अनुकूल है। व्यापार/व्यवसाय बढ़ेगा। आप अपनी मित्र राशियों मेष, सिंह, कन्या, तुला व कुम्भ राशि के व्यक्तियों के साथ व्यवहार कर सकते हैं, लाभ में रहेंगे। मित्र सहायता के लिये तत्पर रहेंगे। विलम्ब से लेकिन ठोस लिया गया निर्णय आपको सफलता के शिखर पर पहुँचा देगा। आप नुकसान से बचकर सहयोग की फसल अवश्य काट लेंगे।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

आपकी सहयोगी राशियाँ मेष, सिंह, कन्या, तुला और कुम्भ हैं। इन राशियों के साथ आप किसी भी प्रकार का लेन-देन करें अथवा इन पर विश्वास करें तो आप लाभ में रहेंगे।

आपकी राशि के शुभ अंक-

आपकी राशि के शुभ अंक **1, 5, 6 व 8** हैं। इन अंकों का उपयोग करने पर आप आशानुरूप लाभ प्राप्त कर पायेंगे। उपरोक्त अंक आपके लिये अतिशुभकारी हैं।

आपका भाग्यशाली अंक-

आपका भाग्यशाली अंक है 1, 5, 6, 8, 10, 14, 15, 23, 32 और 50 हैं। यह अंक आपके भाग्य के दरवाजे खोल सकते हैं। इन अंकों का उपयोग करें और लाभ प्राप्त करें।

आपका शुभ रंग-

आपका शुभ रंग सफेद, लाल व भूरा है। इन रंगों का सभी जगह उपयोग करें ताकि आपको पूरी सफलता मिले। इन रंगों से संबंधित वस्तुओं का व्यापार/व्यवसाय भी आपको उचित लाभ दिला सकता है।

शुभ रत्न व उपरत्न-

आपका शुभ रत्न पन्ना, हीरा और नीलम है। इस वर्ष आप इनमें से कोई भी रत्न धारण करें तो ग्रहों का अनुकूल प्रभाव आपको प्रभावित करेगा और आप प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। जहाँ तक हो सके पन्ना धारण करें, यह बहुत लाभकारी रहेगा। इन रत्नों के अभाव में आप उपरत्न भी धारण कर सकते हैं जैसे मून स्टोन, प्रैरीडाट, सुलेमानी पत्थर व लाल हकीक। यह भी लाभकारी सिद्ध होंगे।

शुभ आराध्य देवता-

मिथुन राशि वाले लोगों के लिये शुभ आराध्य देवता हैं धनपति कुबेर और विष्णु। इनकी पूजा-उपासना आपको सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य प्रदान करेगी। प्रत्येक क्षेत्र में सफलता आपके कदम चूमेगी।

आपका शुभ यंत्र-

शुभ आराध्य देवताओं के अनुसार ही आपको लक्ष्मी के यंत्र "बुध यंत्र" और कुबेर के यंत्र "कुबेर यंत्र" को स्थापित करना चाहिये। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन इन यंत्रों की पूजा करें। नित्य धूप-अगरबत्ती और पूजा-अर्चना करें। आपके लिये यह अति उत्तम रहेगा।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

बाएं हाथ में बिना जोड़ का चाँदी का छल्ला धारण करें। काले कुत्ते की सेवा करें। इससे केतु ग्रह की भी अशुभता दूर होगी। मूंग की दाल भिगोकर पक्षियों को डालें। हरे रंग की बोतल में गंगाजल डालकर निर्जन स्थान में बुधवार को दबायें। हरे रंग का रूमाल पास रखें। कांसे या चांदी का टुकड़ा जेब में रखें। मछलियों को आटे की गोलियां बनाकर डालें। पन्ना धारण करें, घर में रखे कांसे के बर्तन में हरे मूंग डालकर रखें। तामसिक भोजन का त्याग करें।

मिथुन राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नहीं हो रहा हो तो शुक्रवार के दिन भोजन के पूर्व गौ ग्रास निकालकर ही भोजन करें।

महत्वपूर्ण कार्यों के समय हरे रंग के वस्त्र धारण करने से आपका जीवन सुखमय होगा।

साढ़ेसाती एवं ढैय्या का विचार-

आपको वर्तमान समय किसी भी प्रकार से शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव नहीं है। इस वर्ष शनि आपके लिए बहुत शुभ, उन्नतिकारक एवं लाभदायक रहेगा।

♦♦♦

कर्क- ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

यह वर्ष आपके लिए अनुकूल नहीं होगा। इस वर्ष आपके आय के स्त्रोत में कमी आयेगी। इस वर्ष आपकी रूचि शेयर बाजार में ज्यादा रहेगी तथा शुरूआती रूझानों से आपका लालच बढ़ जायेगा। इसलिए साफ तौर पर सलाह है कि शेयर बाजार में संभलकर निवेश करना ही आपको लाभ दिलायेगा। कारोबारी क्षेत्र में आप जोशोखरोश से हिस्सा लेंगे लेकिन भाग्य के भरोसे बैठना भारी भूल होगी आपको अथक परिश्रम करना पड़ेगा। भाग्य और कर्म का सही अनुपात में सहयोग ही सफलता है। आप अपने भागीदारों, साझेदारों तथा कामकाजी वर्ग के लोगों द्वारा वर्ष पर्यंत घिरे रहेंगे। इनसे पर्याप्त सावधानी बरतें, वरना हानि के आसार बन सकते हैं। कार्य व्यस्तता आपको मानसिक तौर पर परेशान कर सकती है। अतः अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अपने मित्र व कुटुंबीजनों का सहयोग आपको निरंतर मिलता रहेगा। आपके कर्मचारी वर्ग के साथ तालमेल में कमी आयेगी। इस वर्ष स्वास्थ्य के प्रति आप सावचेत रहें आपको हड्डी व जोड़ों से संबंधित कोई रोग परेशान कर सकता है। वक्त पर उपचार आपको लाभ देगा। संतान की तरफ से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। संतान की शिक्षा के लिए व्यय हो सकता है। संतान की शिक्षा, व्यवहार व उन्नति से इस वर्ष आपको निरंतर शुभ समाचारों

की प्राप्ति होती रहेगी। पत्नी से वैचारिकत मतभेद हो सकते हैं इसलिए सावधानी बरतें।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष पैसे की आवक तो बनी रहेगी परन्तु कहते हैं कि पैसे के पहिये लगे हुए होते हैं अतः जिस गति से आयेंगे उसी गति से खर्च भी होते जायेंगे। पूंजी के नाम पर आपके पास पैसा टिकेगा नहीं। इस वर्ष कार्य का बोझ आप पर ज्यादा होगा। बिना लक्ष्य के आप दौड़ेंगे। यदि जन्मकालीन ग्रह आपका साथ देंगे तो लक्ष्य प्राप्ति की संभावना है। नौकरी के अलावा अतिरिक्त आय के लिये आप हाथ-पांव मार सकते हैं। आपके पैसों पर आपके अधीनस्थों की नजर रहेगी और यदि उनको मौका मिला तो वे अपनी कारगुजारियों को अंजाम भी दे सकते हैं। पैसे के मामले में इस वर्ष आप आंख मूंद कर सब पर विश्वास ना करें। आपको अपनो से ही धोखा मिल सकता है। यदि आप सरकारी नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावनाएं प्रबल हैं परन्तु साथ ही स्थानान्तरण भी हो सकता है। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं तो वर्षपर्यन्त व्यापार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

घर और परिवार-

घर परिवार की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आप पारिवारिक सदस्यों को समझने में स्वयं को असमर्थ महसूस करेंगे। कभी उनका व्यवहार आपके प्रति नरम रहेगा तो कभी एकदम ही विपरीत हो जायेगा। छोटे भाई-बहिनों से मनमुटाव हो सकता है। माता का आपके प्रति रूझान कम होगा। संतान के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता बनी रहेगी लेकिन अंत में सब ठीक हो जायेगा। आपको नौकरी में प्रमोशन के साथ स्थानांतरण की प्रक्रिया से गुजरना होगा जिससे आपकी खुशी आधी हो जायेगी क्योंकि स्थानांतरण आपके मनोनुकूल नहीं होगा। यदि आप अविवाहित है तो सोच समझकर निर्णय लें अन्यथा मन में कसक रहेगी। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेदों की वजह से मनमुटाव होगा। जीवनसाथी का व्यवहार आपके प्रति रूखा होगा। शादीशुदा जिंदगी के विषय में अनेकानेक विपरीत परिस्थितियों से गुजरना होगा। लेकिन आपसी सलाह-मशविरे से हल निकल जायेगा।

स्थायी सम्पत्ति-

स्थायी सम्पत्ति की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिये थोड़ा अनुकूल है। आपके रहवास बदलने के योग हैं लेकिन यह कार्य सोच-समझकर करें। इस समय वाहन, आभूषण का लाभ होगा। जीवन साथी को कोई वस्तु उपहार में देंगे। आपकी कुण्डली में ग्रहों की स्थिति कुछ अनुकूल रही तो इस वर्ष आपको सम्पत्ति का विशेष लाभ होगा। संतान की जिद के आगे आपको झुकना होगा और मनचाहा वाहन दिलाना पड़ेगा। सम्भव है इस समय आप बैंक से लोन लेकर अपने मकान का पुनःनिर्माण करवायें। खर्च सोच-समझ कर करें अन्यथा ऋणभार से स्वयं को दबा हुआ अनुभव करेंगे। अगर आप कोई संपत्ति क्रय करना चाहते हैं तो अपने माता-पिता के नाम से खरीद सकते हैं। भाग्य आपका साथ देगा अगर आप कोई विदेश यात्रा के बारे में सोच रहे हैं। इस यात्रा से आपको फायदा होने की उम्मीद है। अगर किसी नये काम में आप हाथ डालने की सोच रहे हैं तो कठिन परिश्रम के बाद ही सफलता मिलेगी।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए परेशानी का नहीं होगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से आप पूर्णतः स्वस्थ रहेंगी। रक्त से संबंधित रोग आपको परेशान कर सकते हैं। शरीर की अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता नहीं है। पारिवारिक क्षेत्र में कुछ मतभेद तो रहेंगे लेकिन आप शीघ्र ही उन्हें सुलझा लेंगे। आपके कष्टकारक समय में उनका सहयोग बना रहेगा। संतान के बारे में चिन्ता बनी रहेगी लेकिन शीघ्र ही आपकी चिंता दूर भी हो जायेगी। अगर नौकरी पेशा हैं तो स्थानांतरण के योग बनते हैं। आर्थिक सामाजिक, व राजकीय लाभ मिलने के योग हैं। अविवाहित हैं तो विवाह के योग बनते हैं। अगर आपकी संतान प्राप्ति की इच्छा है तो वह अवश्य पूरी होगी। माता का स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। पुरानी संपत्ति को बेचना चाहते हैं तो इसका लाभ भी आपको मिल जायेगा। लाभ की दृष्टि से छोटी-बड़ी यात्राएं हो सकती है। पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यदि आप कोई परीक्षा दे रही हैं तो आपको विशेष परिश्रम की आवश्यकता है। विदेश यात्रा के योग प्रचुर मात्रा में बनेंगे, जीवन साथी का सहयोग पूर्ण रूप से प्राप्त होगा।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। आप थोड़े प्रयासों में ही अधिक सफलता प्राप्त कर लेंगे। शिक्षा की तरफ से ढील न छोड़ें क्योंकि इस वर्ष आपका स्वास्थ्य कुछ अनुकूल नहीं रहेगा इसलिए लगातार पढ़ाई जारी रखें। विज्ञान वर्ग के विद्यार्थी गणित, भौतिक शास्त्र एवं रसायन शास्त्र के विद्यार्थी अच्छे नंबरों से सफलता अर्जित करेंगे लेकिन कड़े प्रयास के बाद। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए यह समय अनुकूल है। इंजीनियरिंग, आर्किटेक्ट अर्थशास्त्र से संबंधित विद्यार्थियों को अतिरिक्त परिश्रम की आवश्यकता है क्योंकि अतिरिक्त परिश्रम ही उनके लिए सफलता के द्वार खोल सकता है। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए समय चुनौतीपूर्ण रहेगा। इसलिए सब्जेक्ट की तैयारी जमकर करें। अगर आप विदेश जाकर नौकरी करने के इच्छुक हैं तो आपकी अभिलाषा अवश्य ही पूर्ण होगी।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। वर्षारंभ में आप वायरल तथा सर्दी जुकाम व खांसी से पीड़ित हो सकते हैं। रक्तविकार या इंफेक्शन के प्रति सावधानी रखें। परिवार की तरफ से मानसिक परेशानी बनी रहेगी। छोटी-छोटी बातों पर मन मुटाव होता रहेगा। छोटे भाई-बहिनों की तरफ से मानसिक तनाव रहेगा तथा सहयोग ना के बराबर मिलेगा। माता का स्वास्थ्य नरम रहेगा। पिता का व्यवहार आपके साथ में विचित्र होगा और आपको पिता का सहयोग नहीं मिल पायेगा। जीवन साथी आपके स्वभाव के अनुसार नहीं चल पायेगा। इसका आपके स्वभाव और सेहत पर प्रभाव पड़ेगा। अगर आप किसी यात्रा पर जा रहे हैं तो अपने रोग से संबंधित जरूरी दवाईयों को अपने साथ रखें।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आपको पैत्तृक सम्पत्ति मिलेगी किन्तु आप उसका दुरूपयोग कर डालेंगे। आप परिश्रमी हैं और व्यवसायी भी। संगीत, कला, चित्रपट आदि से भी आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप जीवशाला, वनस्पतिशास्त्र, जलदाय विभाग, सिंचाई विभाग, चावल, कपास व सफेद वस्तुओं का व्यवसाय कर अपना भाग्य निर्माण कर सकते हैं। आपकी मुलाकात सदैव बड़ी-बड़ी हस्तियों से होगी। परिजन व मित्र सदैव आपकी बुराई ही करेंगे और शायद इसी में आपकी भलाई छुपी है।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्योदय उन्नति हेतु वर्ष 11, 13, 20, 29, 31, 38, 47, 49 रहेंगे तथा 56, 65, व 67 वें वर्ष में रोग व अन्य कष्ट रहेंगे। भाग्यवृद्धि हेतु सफेद कपड़ा शुक्रवार के दिन अवश्य पहना

करें। आपको सफेद मोती चांदी में सोमवार के दिन धारण करना भी लाभप्रद रहता है। यदि आप चाहते हैं कि आपका भाग्य का सितारा हमेशा चमकता रहे और हर नया दिन नित नूतन उल्लास लिये आपके जीवन में आये तो आपको पारदेश्वर शिवलिंग का नियमित पूजन करना चाहिये।

क्या व कब दान करें?

संकटों से बचने हेतु दुर्गा की उपासना करें तो लाभ होगा। इस मंत्र की साधना विशेष रूप से करनी चाहिए ''श्रीं ह्रीं क्लीं गुलु गुलु चन्द्रामृतमयी अवजानि लां हुलु हुलु चान्द्रीणे रे स्वाहा'' यह मंत्र स्वयं सिद्ध है। इसकी एक माला प्रातः एवं सायंकाल जपने से लक्ष्मी की कृपा आप पर बरसेगी। कष्ट निवारण के लिए आप **''ॐ सों सोमाय नमः''** मंत्र के 11000 जप करें। सोमवार को शुक्ल पक्ष में बांस, कपास, चावल, सफेद कपड़ा, सफेद चन्दन, शक्कर, चाँदी, घी, शंख, दही, मोती व कपूर का दान करना चाहिये।

मित्र एवं पार्टनर-

अगर आप किसी प्रकार की साझेदारी में व्यवसाय करना चाहते हैं तो जहां तक हो सके अपनी राशि संबंधित व्यक्ति के साथ ही करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा घाटे का सौदा हो सकता है। आपको चाहिये कि यदि नये पार्टनर या मित्र बनाएं तो यह ध्यान रखें कि वृष, वृश्चिक, तुला, कुम्भ व मीन राशि के व्यक्तियों को ही महत्व दें। इन्हीं राशि के मित्रों, पार्टनरों तथा अधिकारियों से आपके मधुर संबंध बने रहेंगे। इन्हीं राशियों के स्थान, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों से आपके कार्य सिद्ध होंगे।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

वृष, वृश्चिक, तुला, कुम्भ व मीन। इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप वृश्चिक, तुला व कुम्भ राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। वृश्चिक, कुम्भ व मीन राशि के लोगों के साथ आपका अच्छा सहयोग व मानसिक स्थिरता रहेगी। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में सहायक होगी।

आपकी राशि के शुभ अंक-

इस वर्ष आपकी राशि के शुभ अंक हैं 1, 2, 3, 4, 7 तथा 9। इन शुभ दिनांकों में यदि आप कार्य करते हैं या इन अंकों के लोगों से व्यापार या मित्रता करते हैं तो आपकी सफलता की पूर्ण संभावना बनती है। अतः इन अंको का उपयोग करें।

आपका भाग्यशाली अंक-

इस वर्ष 1, 2, 9, 10, 11, 18, 19, 20, और 27 आपके भाग्यशाली अंक है। यह अंक आपके लिये विशेष सफलतादायक व शुभ रहेंगे।

आपका शुभ रंग-

इस वर्ष आपके शुभ रंग क्रीम, सफेद, लाल, पीला और औरेंज हैं। जहाँ तक सम्भव हो आप इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें यह आपके हित में रहेगा। इन रंगों के माध्यम से आपको लाभ प्राप्त होगा।

शुभ रत्न व उपरत्न-

इस वर्ष के लिये आपके शुभ रत्न मोती, मूंगा और पुखराज है। आप मोती, मूंगा या पुखराज धारण करें आपको लाभ होगा। इसके अभाव में आप उपरत्न चन्द्रमणि, मून स्टोन या ओपल भी धारण कर सकते हैं।

शुभ आराध्य देवता-

इस वर्ष यदि आप शिव-पार्वती और धन की देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करें तो विशेष रूप से लाभप्रद रहेगा। भगवान शिव तथा पार्वती जहाँ आपकी सभी इच्छाओं को पूर्ण करेंगे वहीं लक्ष्मी आपको धन-धान्य से पूर्ण करेगी।

आपका शुभ यंत्र -

इस वर्ष आपके लिये मंगल यंत्र एवं लक्ष्मी यंत्र की पूजा - उपासना करना अतिश्रेयस्कर रहेगा। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन इन यंत्रों की पूजा करें। नित्य धूप-अगरबत्ती और पूजा-अर्चना करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार-

माता की सलाह अवश्य मानें, अपना रहस्य किसी को भी न बतायें, तीर्थ स्थान की यात्रा से किसी को न रोकें, दुर्गा पाठ करें एवं कन्यादान के लिए सामान का दान करें। सूर्य से संबंधित चीजों को धर्म स्थान में स्थान देवें। सूर्य की चीजें, तांबा, गुड़, गेंहू, लाल चंदन, लाल फूल या सूरजमुखी का फूल आदि। अपनी माता से चावल लेकर दान दें तथा चांदी का टुकड़ा अपने पास रखें। सफेद गाय की सेवा करें। गाय के दूध का सेवन करें।

कर्क राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके-

यदि पैतृक धन एवं कुटुम्ब से जुड़ी परेशानियाँ चल रही हों तो प्रतिदिन सूर्योदय के समय तांबे के पात्र में स्वच्छ जल भरकर उसमें कुछ दाने चीनी और लाल पुष्प डालकर सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए।

यदि जातक को रोग-पीड़ाएँ बनी रहती हो या शत्रु पक्ष प्रबल बना रहता हो, बार-बार कठिनाईयां उत्पन्न कर रहा हो तो गुरुवार के दिन पीले चंदन एवं केसर का मिश्रित तिलक लगाना चाहिए।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

15 नवम्बर 2011 से 2 नवम्बर 2014 तक आपको शनि का ढैय्या रहा। इसके पश्चात् भी राशि से पंचम शनि 26 जनवरी 2017 तक आर्थिक अभाव देता रहेगा। अतः आप शनि दोष निवारण के लिये शनि का दान दें तथा उचित उपाय करें। शनि मुद्रिका नीली जड़ित अवश्य धारण करें।

♦♦♦

सिंह-मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपके लिए बिलकुल विपरीत साबित होगा। यह वर्ष अनेकानेक परेशानियां, कठिनाईयां, कार्य बाधायें, कार्य विलंब, रोग, शोक, चोट, दुर्घटना, मानहानि, अपमान, धनाक्षति, आर्थिक तंगी, पारिवारिक एवं कुटुंबकीय परेशानियां, दाम्पत्यों संबंधों में कटुता एवं तनाव, संतान संबंधी परेशानियां, व्यवसाय में मंदी संपत्ति विवाद, संतान की तरफ से परेशानियां अधिकाधिक बनी रहेगी। मेहनत के पश्चात् भी मनोवांछित परिणाम न मिल पाना, सहपाठियों से झगड़ा, मनमुटाव, प्रेम-प्रसंगों में उलझ जाना जैसे परिणाम वर्ष पर्यंत मिलेंगे। लेकिन विवाहित स्त्रियां पुत्र प्राप्ति से हर्षित होंगी। विवाह योग्य संतानों के विवाह में विलंब हो सकता है अथवा विवाह टल भी सकता है। व्यवसायी वर्ग व्यवसाय की मंद गति में तेजी नहीं ला पाएंगे, विषमताएं बनी रहेगी। नौकरी-पेशा वर्ग को मिले-जुले फल प्रतिपादित होंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर न्यूनाधिक परेशानी बनी रहेगी। वर्ष के मध्य में यात्रा आरामदायक होगी। भवन निर्माण आधा-अधूरा रह सकता है। पड़ौसियों से मनमुटाव हो सकता है। अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगायें, पत्नी को भी अनावश्यक खर्च से सावधान करें। वर्ष के मध्य कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है,

इसलिए सावधानी बरतें।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष मान-सम्मान, पुरुस्कार, उन्नति, अधिक आय, नौकरी मिलने के अच्छे अवसर, कर्ज एवं फण्ड मिलने में आपकी व्यवहारिकता स्पष्ट रूप से सामने आयेगी। अचानक प्रमोशन, लाभ के भी अवसर प्राप्त होंगे। आप धन के मामले में बहुत ही भाग्यशाली रहेंगे। कम्प्यूटराईज्ड, इन्टरनेट, ऐरो डायनेमिक, इलैक्ट्रोनिक उपकरण आपके लिये उन्नति की नयी उम्मीद लेकर आयेंगे। इस वर्ष क्रय-विक्रय की काफी संभावना रहेगी। इस वर्ष पहले से मोटी तनख्वाह, अच्छे जॉब के मौके, प्रमोशन, बेहतर काम की सुविधाएं आपको मिलेगी। आपके दोस्तों का दायरा बढ़ेगा, जिनकी राय आपकी उन्नति में सहायक होगी। पार्टनरशिप में फायदा होगा। आपके पास किसी ना किसी तरह धन की आवक होती रहेगी। इस वर्ष आपके आमदनी से ज्यादा खर्च होंगे। धनागमन वर्षपर्यंत अच्छा होने के उपरांत भी आप संचय नहीं कर पायेंगे। माता पिता के स्वास्थ्य पर धार्मिक आयोजनों पर व शुभ कार्यों में धन का उपयोग होगा। ऐसे खर्च से आप खुश होंगे मन में इसको लेकर किसी प्रकार का खेद नहीं होगा।

घर और परिवार-

घर परिवार की तरफ से यह वर्ष आपके लिए अच्छा तो नहीं लेकिन औसत कहा जा सकता है। छोटे भाई-बहिनों से सहयोग बना रहेगा। अपने से बड़ों की नाराजगी को आप समझदारी पूर्ण व्यवहार से निपटाने में सक्षम होंगे। एक ही समय में अनेकानेक संसाधनों से लाभ प्राप्त करने के आपके मंसूबे आपको असंतुष्टि ही प्रदान करेंगे। अहिवाहित भाई-बहिनों के विवाह के प्रयास थोड़े परिश्रम के बाद सफल होंगे। माता का स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। हो सकता है कि उन्हें किसी शल्य चिकित्सा से भी गुजरना पड़े। संतान का व्यवहार आपके प्रति रूचिपूर्ण होगा। संतान की शिक्षा व रहन-सहन के स्तर के लिए पैसा खर्च होगा। लेकिन आप फालतू पैसा खर्च कदापि नहीं करेंगे। जीवनसाथी के साथ में तालमेल बनाने में आप सफल रहेंगे। वैवाहिक जीवन में कोई परेशानी विशेष नहीं होगी। पारिवारिक सदस्यों के बीच संबंधों को सुधारने में जीवनसाथी का सहयोग आपको मिलेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य थोड़ा नरम रहेगा। माता-पिता की सेवा आपकी समृद्धि के द्वार खोल सकती है।

स्थायी सम्पत्ति-

स्थायी संपत्ति की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल है। नयी संपत्ति खरीदने से ज्यादा पुरानी संपत्ति को पुनर्निर्माण व नवनिर्माण करने के योग ज्यादा हैं। नया वाहन तथा जेवराती खरीद्दारी होने के योग हैं। इस वर्ष वाहन खरीद की लंबे समय से चली आ रही इच्छा पूर्ण हो जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं। वाहन पर अनावश्यक खर्च भी हो सकता है। लाल रंग का वाहन आपके लिए उपयुक्त है। छोटी-बड़ी खरीद-फरोख्त से स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। लेकिन कोई विशेष योजना लंबित होगी। इस समय जीवनसाथी के नाम से संपत्ति का क्रय कर सकते हैं। लेकिन पूरी जांच-पड़ताल करके। आप इस स्थिति से कितना लाभ उठा सकते हैं, यह आपके विवेक व बुद्धि पर निर्भर करेगा, इसलिए सावधानी के साथ हर कार्य को अंजाम दें।

स्त्री वर्ग के लिये-

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शारीरिक तौर के बनिस्पत मानसिक परेशान हो सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों की छोटी-छोटी बातों को दिल से लगा लेंगे। आपके मन में हर वक्त किसी अनहोनी की आशंका बनी रहेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग सामान्य रहेगा। लेकिन आप अपने क्रोध पर काबू रखें अन्यथा खटपट हो सकती है। छोटे भाई-बहिनों का स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। यदि आप शादीशुदा हैं तो दाम्पत्य जीवन में सुख से बितेगा। यदि आप मानसिक तौर पर व शारीरिक तौर पर परेशान हैं तो अपना शयन कक्ष नैऋत्य कोण में रखें व दक्षिण दिशा की तरफ सिर करके सोएं, अवश्य लाभ प्राप्त करेंगे। माता-पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। संतान को लेकर चिंता बनी रहेगी तथा संतान का मौज-शौक की तरफ रूझान बना रहेगा। अगर आप परीक्षार्थी हैं तो आपको कड़ी मेहनत व संघर्ष की आवश्यकता है। आपको नौकरी में मनोनुकूल उन्नति का अभाव खलेगा। आपका स्थानांतरण आशानुरूप नहीं होगा। मित्र का सहयोग बना रहेगा। कुछ संघर्ष करने के बाद आप संतुष्टि का अनुभव करेंगे।

विद्यार्थियो के लिये-

इस समय शिक्षा के प्रति आपका गैरजिम्मेदाराना रवैया आपको नुकसान पहुँचा सकता है। यदि आप अच्छा परिणाम चाहते हैं तो आपको कड़ा परिश्रम करना ही पड़ेगा। गणित और भौतिक शास्त्र के विषय में विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थी अच्छे फल की आशा रख सकते हैं। स्नातक के विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इंजीनियरिंग, एमबीए, बीबीए जैसी परीक्षाओं के लिये समय अच्छा है। फैशन डिजाईनिंग, मॉडलिंग आदि के विद्यार्थियों के लिये भी यह वर्ष उत्तम है, इसमे सफलता मिलेगी। प्रचार, प्रसार, मीडिया, फिल्म क्षेत्र से संबंधित विद्यार्थियों को कुछ परिश्रम के पश्चात् सफलता प्राप्त होगी। अच्छी उपलब्धियां भी प्राप्त होगी। प्रतियोगिता परीक्षाओं में आपकी सफलता की संभावनाएं स्पष्ट नजर आ रही हैं परन्तु थोड़ी मेहनत तो आपको भी करनी ही होगी। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिये तभी उनका परिणाम उत्तम रह पायेगा।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अष्टम भावस्थ राहु जनित व्याधियां अवश्य ही देगा। विशेषकर अज्ञात, भय, गठिया आदि से परेशान रह सकते हैं। यदा कदा छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं के प्रति सचेत रहें। स्त्रियजन्य रोग उच्च निम्न रक्त चाप, रक्तविकार छोटी-बड़ी शल्य चिकित्सा वर्ष प्रारंभ से वर्ष मध्यांतर तक आपको घेरे रहेंगी। आप अपने ब्लडप्रैशर व हृदय संबंधित रोगों के प्रति विशेष सावधानी रखें। लापरवाही आपको मंहगी साबित हो सकती है। जीवनसाथी व बच्चों की चिंता आपकी मानसिक परेशानी का सबसे बड़ा कारण होगा। घर में बड़े बुर्जुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर आपकी परेशानी कुछ बढ़ जाये तो कुछ आश्चर्य नहीं। सबकी तिमारदारी करते-करते आप अपने को चिड़चिड़ा महसूस करेंगे फिर भी आपका स्वास्थ्य आपका साथ देगा और आपके लिए यह वर्ष स्वास्थ्यवर्द्धक रहेगा।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आपकी इच्छा शक्ति प्रबल है, किन्तु आप क्रोधी प्रवृत्ति के हैं। नवीनता व प्राचीनता में आप समन्वय रखते हैं। पसीना आपको खूब आता है। गर्दन या कमर में काला तिल है। धनवान भी आप अच्छे होंगे, किन्तु आपके घर में चोरी भी होगी। प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति भी आप में पर्याप्त है। आप न्यायाधीश, प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, अभियन्ता, सेनापति, आविष्कारक, पुरातत्व वेत्ता, वकील, जेलर, शिक्षक, प्रशिक्षक, खाद्य सामग्री, कांच, विद्युत सामग्री, धातु, ऊनी वस्त्र एवं औषधियों का व्यापार कर सकते हैं या डॉक्टर बन सकते हैं। आप संस्थाओं के प्रधान नेता व अभिनेता भी बन सकते

हैं। यदि आप फिल्म इण्डस्ट्रीज से जुड़ते हैं तो लाभदायी रहेगा।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्यवृद्धि हेतु जीवन के 10, 14, 19, 23, 37, 41, 46, 50, 55, 59, 64, वें वर्ष ठीक रहेंगे। भाग्योदय/भाग्य उन्नति के लिए **''ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः''** मंत्र का कमलगट्टे की माला से सवा लाख जप करें।

क्या व कब दान करें?

कष्टों के निवारण के लिए आदित्य स्वाहा मंत्र से अर्घ्य दें। इस मंत्र के सात हजार जप करें। माणिक्य, गुड़, लाल चन्दन, लाल कपड़ा सोना, तांबा, केसर व मूंगा दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आप साझेदार और मित्रों पर आंखें मूंद कर विश्वास नहीं करें अन्यथा आप भारी नुकसान उठायेंगे। आप लाभ अवश्य प्राप्त करेंगे लेकिन पूर्ण विवेक एवं चतुराई से कार्य करें तब ही। मित्रों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। आपको चाहिये कि आप अपनी मित्र राशियों के व्यक्तियों से ही सम्बन्ध बनायें जो कि आपके लिये लाभदायक होंगे। आपकी मित्र एवं सहयोगी राशियाँ मेष, सिंह, धनु और मीन हैं। इन राशियों से संबंधित कार्य, व्यवसाय व व्यक्तियों से व्यवहार करने पर आपको उचित लाभ और अनेक सुअवसर प्राप्त होंगे। ईमानदारी की नीति अपनायें तो साझेदारी लम्बे समय तक चलेगी और आप उचित धन भी कमायेंगे।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

आपकी सहयोगी राशियाँ मेष, सिंह, धनु और मीन हैं। सभी क्षेत्रों में कोई भी कार्य करते समय इन राशियों से संबंधित व्यक्तियों एवं वस्तुओं को प्राथमिकता दें तो आपके लिये लाभदायी रहेगा।

आपकी राशि के शुभ अंक-

इस वर्ष आपके शुभ अंक हैं 1, 2, 3, 5 और 9। इस वर्ष इन शुभ अंकों का उपयोग कर आप उचित लाभ प्राप्त कर सकते हैं। शुभ राशियों एवं अंकों का उपयोग कर आप सफलता की संभावनाएं बढ़ा सकते हैं। सभी कार्यों में इन अंको का उपयोग करें।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक-

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक 10, 11, 12, 16, 18, 20, 21, 27 व 30 है। यह अंक आपके लिये विशेष सफलतादायक व शुभ रहेंगे।

आपके शुभ रंग-

इस वर्ष आपके शुभ रंग गुलाबी, पीला, सुनहरा, लाल व केसरिया हैं। जहाँ तक हो आप इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें यह आपके हित में रहेगा।

शुभ रत्न व उपरत्न-

इस वर्ष के लिये आपका शुभ रत्न माणिक्य है। आप माणिक्य धारण करें आपको लाभ होगा। इसके अभाव में आप उपरत्न रक्तमणि भी धारण कर सकते हैं।

शुभ आराध्य देवता-

इस वर्ष यदि आप शिवजी और सूर्य देवता की पूजा-अर्चना करें तो विशेष रूप से लाभप्रद रहेगा। भगवान शिव जहाँ आपकी सभी इच्छाओं को पूर्ण करेंगे वहीं सूर्य देवता आपको तेज प्रदान करेंगे।

आपके शुभ यंत्र-

इस वर्ष आपके लिये महामृत्युंजय यंत्र एवं सूर्य यंत्र ''कनकधारा यंत्र'' की पूजा -उपासना करना अतिश्रेयस्कर रहेगा। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन इन यंत्रों की पूजा करें। नित्य धूप-अगरबत्ती और पूजा-अर्चना करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार-

अखरोट, नारियल, तेल धर्म स्थान में दान करें। गेहूं, मसूर की दाल, सिंदूर लगे पत्थर के साथ रखकर लाल कपड़े में बांधकर पानी में बहा दें। तांबे का सिक्का ग्यारह रविवार पानी में बहायें। घड़े में ढक्कन लगाकर जल में प्रवाहित करें। मद्यपान मांसादि का सेवन बिल्कुल न करें।

सिंह राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके-

यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नहीं हो रहा हो तो काले कुत्ते को तेल चुपड़ी हुई रोटी खिलाएँ।

यदि संतान पक्ष से चिंता हो तो संतान सुख के लिए मन्दिर में भगवान की पोशाक दान करें।

जीवन में स्थिरता, प्रगति एवं दुविधापूर्ण स्थितियों से बचने के लिए इस राशि वाले जातको को सोने का सूर्य बनवाकर गले में धारण करना चाहिए। छः रविवार को निरन्तर दोपहर के समय एक निश्चित आक के पौधे को सींचना चाहिए।

यदि दाम्पत्य जीवन में तनाव चल रहा हो, तो घर की छत पर शनिवार को घोड़े की नाल लगाएं। घर में व्यर्थ लोहा पड़ा हो तो उसे तत्काल घर से हटा दें।

यदि धनमार्ग अवरुद्ध हो रहे हों, तो बुधवार के दिन गाय को हरा चारा डालना चाहिए। यदि गाय चारा खा ले, तो आर्थिक अनुकूलता प्राप्ति का संकेत समझना चाहिए।

शिक्षा एवं परिवार से जुड़ी परेशानियों से बचने के लिए मंगलवार के दिन हनुमान जी के मंदिर में सिंदूर एवं देशी घी का दान करें तथा साबुत मूंग निर्जन स्थान में जाकर भूमि में दबाएं।

यदि महत्वपूर्ण कार्यो में बार-बार रुकावटें आ रही हो तो किसी भाग्यशाली बालिका का मुख देखकर कार्य पर जाना चाहिए। कर्पूर का काजल बनाकर अपने विरोधी का नाम सफेद वस्त्र पर लिखकर उसे एक दिन तक पत्थर के नीचे दबाकर रखना चाहिए। उसके बाद उस वस्त्र को पानी से धोकर साफ कर लेना चाहिए।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

आपको 02 नवम्बर 2014 से शनि की ढैय्या आरम्भ हो जायेगी जो कि 26 जनवरी 2017 तक चलेगी। अतः सावधान हो जाये। जो भी निर्णय लें वे सभी की राय के साथ ले अन्यथा शनि के बारे में सदैव कहा जाता है कि ''विनाश काले विपरीत बुद्धि''।

♦♦♦

कन्या-टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

संक्षेप में आपके लिए वर्ष-

वर्ष की शुरुआत में वाहन चलाने में सतर्कता बरतें अन्यथा दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं। यदि आप इस समय यात्रा प्रवास का मन बनाये हुए हैं तो विशेष सावधानी की आवश्यकता है। आपकी आर्थिक परिस्थितियों में सुधार होगा। भागीदार एवं जीवन साथी का सहयोग बना रहेगा। धन की आवक बनी रहेगी। विदेशों से भी इस वर्ष आपको लाभ के पूर्ण योग हैं। यदि आप कोई व्यापारिक विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिये अनुकूल है। इस समय शेयर में निवेश ना करें तो आपके लिये अच्छा होगा अन्यथा आप कमाने की जगह गंवाना पड़ सकता है। माता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर आप चिन्ता में

रहेंगे। घर के काम-काज को लेकर अनावश्यक खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है। जीवन साथी के बेफिजूल खर्चों से आप परेशान हो सकते हैं। आपका ध्यान आपके घर परिवार की तरफ रहेगा। घर की सुख सुविधाओं को जुटाने के लिये आप अथक परिश्रम करेंगे। आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आपको मौसमी बीमारियां हो सकती है जो कि चिन्ता का कारण नहीं है। इस वर्ष आर्थिक उन्नति निरन्तर बनी रहने के बावजूद आपके मन में असन्तोष का भाव विद्यमान रहेगा। आप यदि सरकारी नौकरी के लिये प्रयासरत् हैं या कोई प्रतियोगी परीक्षा दे रहे हैं तो आपको सफलता मिलने के उत्तम योग हैं। आय के नवीन स्त्रोतों का निर्माण होगा। इस वर्ष आपकी स्थायी सम्पत्ति में भी वृद्धि होगी। यदि आपका कोई प्रेम प्रसंग चल रहा है तो सफलता मिलेगी और विवाह सम्बन्ध में बन्ध जायेंगे। पिता के साथ सम्बन्ध अच्छे होंगे। पिता से आपको आर्थिक लाभ होगा। संतान से सुख का अनुभव करेंगे।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

आर्थिक स्थिति के अनुसार यह वर्ष आपके लिये अच्छा रहेगा। आपमें से ज्यादातर लोग जमीन, घर व भू सम्पत्ति में दिलचस्पी लेते हैं और इस वर्ष इनकी यह दिलचस्पी इनका रुझान बन जायेगी। यह वर्ष आपके लिये उन्नति, प्रचार व शक्ति से सम्पन्न और विकासशील होगा। नौकरी व्यवसाय से जुड़े जातकों के प्रमोशन के द्वार खुल जायेंगे। अधिकारियों व सहकर्मियों से मेज-जोल बढ़ेगा तथा किसी कारण विशेष से आई कटुता समाप्त होगी। अगर आप शेयर बाजार, सट्टा बाजार व एन.सी.डेक्स व तेजी-मंदी से जुड़े हैं तो वर्ष के मध्य तक इनको अच्छे परिणाम मिलते रहेंगे। वर्ष के अंत में साझेदारों से सावधानी रखें कोई विवाद होने के आसार बन सकते हैं। राज्य पक्ष से भी सावधान रहें। अपने विचारों पर दृढ़ रहें। साहस व आत्म विश्वास से काम लें, सफलता पायेंगे।

घर और परिवार-

पारिवारिक एवं कुटुंबकीय मेल-जोल प्रगाढ़ बने रहेंगे। कुंटुब में आपका वर्चस्व बढ़ेगा तथा सभी कुटुंबीजन आपका सम्मान करते हुए आपकी हर बात को आदेश की तरह मानेंगे। आप स्वयं भी सकारात्मक सोच के साथ-साथ परिवार एवं कुटुंब के प्रति समर्पण भाव रखते हैं, इस कारण आपको परिवार एवं कुटुंब के द्वारा सम्मान भी पूर्ण मिलेगा। जाने-अनजाने के कारणों से कुटुंबीजनों से बढ़ी हुई दूरियां समाप्त होगी। सभी परिवार के लोग फिर से नजदीक आ जायेंगे। परिवार की एकता एवं संगठन देखकर अन्यान्य लोग आपसे ईर्ष्या करेंगे। पत्नी का रवैया भी आपके माता-पिता, कुटुंबीजनों के प्रति सद्भावपूर्ण रहेगा। आप भरपूर पारिवारिक सुख प्राप्त करेंगे और अपने परिवार का प्यार प्राप्त करते रहेंगे।

स्थायी सम्पत्ति-

स्थायी संपत्ति की दृष्टि से आपका यह वर्ष कुछ हद तक उचित रहेगा। इस वर्ष स्थायी संपत्ति को बेचकर आप फायदा उठा सकते हैं। अगर आप नौकरी पेशा हैं तो आपके स्थानांतरण के योग बिलकुल न्यून हैं। यात्राओं के योग बने रहेंगी। बाहरी यात्राओं में भागदौड़ निरन्तर जारी रहेगी तथा आप इन यात्राओं से कुछ लाभ भी अर्जित कर लेंगे। इस वर्ष आप जमीन-जायदाद इत्यादि खरीदने के लिए अथक प्रयास करेंगे और कुछ हद तक आपको सफलता भी मिलेगी। छोटे निवेशों से आपको लाभ मिलेगा। आप नये वाहन का क्रय कर सकते हैं लेकिन कुछ मुश्किलों के पश्चात्। अपनी संपत्ति में पुर्ननिर्माण व नवनिर्माण भी कर सकते हैं।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्त्री वर्ग के लिये यह वर्ष उत्तम है। आप आर्थिक रूप से सम्भले हुए रहेंगे लेकिन मानसिक रूप से परेशान हो जायेंगे। इससे आपके स्वभाव में काफी हताशा एवं निराशा देखने को मिलेगी। पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य ही रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य होने की संभावना है। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल होगी। आपकी योजनाओं को पूरा सम्मान नहीं मिलेगा। बिना मांगे आप अपनी राय किसी को भी ना दें अन्यथा आपका अनादर हो सकता है। अपनी जुबान पर पूर्ण नियन्त्रण रखें। छोटे भाई-बहिनों की स्थिति अच्छी रहेगी। माता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन माता के स्वभाव में उग्रता होगी। संतान पक्ष से आपको अनुकूलता मिलेगी। संतान का व्यवहार आपके प्रति सहयोगात्मक रहेगा। दाम्पत्य जीवन में छोटी मोटी खटपट निरन्तर बनी रहेगी। इससे आपकी चिन्ताएं बढ़ सकती हैं। छोटी-छोटी बातों को आप भी नजर अन्दाज करना सीखें तो अच्छा रहेगा।

विद्यार्थियों के लिये-

इस वर्ष आपको अत्यधिक मेहनत करने की जरूरत है लेकिन मेहनत के परिणाम भी आपको आशा से ज्यादा मिलेंगे। वार्षिक परीक्षा में अत्यधिक सावधानी बरतें, अति आत्मविश्वासी स्वभाव से बचें। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। विज्ञान वर्ग एवं गणित एवं भौतिक शास्त्र से संबंधित विद्यार्थी मनचाहा परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। फॉर्मेसी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, रसायन शास्त्र के विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल नहीं है। आप जितना लाभ उठाना चाहेंगे उतना नहीं मिल पायेगा। इंजीनयिरिंग, आर्किटेक्ट व गणति शास्त्र से संबंधित विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल है। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिये समय अत्यधिक उज्जवल है। अनुस्नातक वर्ग के विद्यार्थी अपने मित्रों से ज्यादा मेल-जोल रखेंगे तो पढ़ाई में बाधित होंगे। यदि आप आराधना करना चाहें तो आपको माँ सरस्वती एवं गणपति की आराधना करनी चाहिये। इस वर्ष एम.बी. ए, सी.ए. से संबंधित विद्याार्थियों को विशेष उपलब्धियां प्राप्त होंगी।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। पेट से संबंधित छोटी-मोटी परेशानी रह सकती है। रक्तविकार या इंफेक्शन के प्रति सावधानी रखें। ब्लडप्रैशर के मरीज अपने रक्तचाप का ध्यान रखें। यात्रा के दौरान अंजाने लोगों से सावचेत रहें एवं अपने रोग से संबंधित जरूरी दवाईयों को साथ रखें। यात्रा के दौरान रखी सावधानी आपको किसी अनहोनी से बचा सकती है। छोटी-मोटी बीमारी के लिए अस्पताल के चक्कर लग सकते है एवं धन का व्यर्थ व्यय होगा यह आशंका मन में बनी रह सकती है।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आपकी व्यापारिक बुद्धि है तथा अनेक विद्याओं में आपको सफलताएँ मिलेगी। जैसे गणित, ज्योतिष, विज्ञान, वाणिज्य, बैंक के कार्य चार्टड अकाउन्टेंट, कम्पनी सचिव, खाद्यान्न, मुद्रण सामग्री, पुस्तक व्यवसाय, खजांची, स्टेनोटाइपिस्ट का कार्य कर सकते हैं। आप कम्प्यूटर से संबंधित कार्य भी कर सकते हैं। आपके लिये बुधवार का दिन शुभ व मंगलवार व शनिवार अशुभ रहेंगे। पूर्व दिशा शुभ रहेगी। हरा व सुनहरा रंग शुभ रहेगा।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्योदय 15, 24, 33, 42, 51, व 60 वें वर्ष में होगा। 23, 32, 41, व 50 वें वर्ष में अकस्मात धन लाभ भी होगा। भाग्योदय/भाग्य वृद्धि के लिए **"ॐ गं गणपतये नमः"** की एक एक माला नित्य जपें।

क्या व कब दान करें?

कष्टों से मुक्ति के लिए **"ॐ ह्रीं बुं बुधाय नमः"** का 9000 जप करें। घी, हाथी दांत, मूंग, पन्ना, कांसे का कटोरा, स्वर्ण, कपूर, फल, शंख, षटरस, भोजन दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आप साझेदारी से दूर रहे तो ही अच्छा रहेगा। आप लाभ प्राप्त कर पायेंगे लेकिन पूर्ण विवेक एवं चतुराई से कार्य करें तब ही। मित्रों का पूर्ण सहयोग आपको इस वर्ष मिलेगा। आपको चाहिये कि आप अपनी मित्र राशियों के व्यक्तियों से ही सम्बन्ध बनायें जो कि आपके लिये लाभदायक होंगे। यदि नये पार्टनर या मित्र बनाएं तो यह ध्यान रखें कि तुला, मीन और मिथुन राशि के व्यक्तियों को ही महत्व दें। इन्हीं राशि के मित्रों, पार्टनरों तथा अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। इन्हीं राशियों के स्थान, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों से आपके कार्य सिद्ध होंगे। इन राशियों से संबंधित प्रत्येक क्षेत्र आपके लिये लाभदायी सिद्ध होंगे। सावधानी पूर्वक किये गये निर्णय से ही लाभ की स्थिति बन सकती है।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

तुला, मिथुन और मीन, इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप तुला व मिथुन राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। मीन व सिंह राशि के लोगों के साथ आपका अच्छा सहयोग व मानसिक स्थिरता रहेगी। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होगी।

आपकी राशि के शुभ अंक-

इस वर्ष आपकी राशि के शुभ अंक 3, 5, 6 तथा 8 हैं। इन राशि अंकों का उपयोग कर आप प्रायः शुभ लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक-

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक 5 और 6 हैं। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको बड़ा लाभ हो सकता है। इन अंकों का उपयोग करें।

आपका शुभ रंग-

इस वर्ष आपका शुभ रंग हरा, फिरोजी और पीला है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके हित में होगा। अन्य रंगों का प्रयोग आपको उतना लाभदायी नहीं रहेगा जितना कि इन रंगों का उपयोग लाभ देगा।

शुभ रत्न व उपरत्न-

इस वर्ष आपका शुभ रत्न पन्ना है। आप पन्ना धारण करें तो आपके लिये लाभदायी रहेगा। यह बुध ग्रह का रत्न है और बुद्धि और विवेक को प्रभावित करता है। अतः पन्ना धारण करने पर आप तीव्र गति से सोचने और शीघ्र निर्णय लेने में सक्षम होंगे। इसके अभाव में आप ओनेक्स, हरित मणि या हरा जेड धारण कर सकते हैं। यह लाभदायक रहेगा।

शुभ आराध्य देवता-

इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता विष्णु और लक्ष्मी है। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें। धन की देवी लक्ष्मी और मायापति विष्णु की कृपा दृष्टि से आपका सुख-सौभाग्य जाग उठेगा।

आपका शुभ यंत्र-

जैसा की आपने जाना इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता धन की देवी श्री लक्ष्मी और मायापति श्री विष्णु हैं, अतः इनके शुभ यंत्र श्रीयंत्र और कुबेर यंत्र को स्थापित करें और नित्य पूजा-अर्चना कर मंत्र जाप करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

हरी वस्तुओं को नदी में प्रवाह करें। हरा मूंग, हरा कपड़ा, हरी सब्जी आदि। हरे रंग का रूमाल पास रखें। पूजा का स्थान परिवर्तित न करें। मनी प्लांट घर में न लगायें। छत पर वर्षा का जल बर्तन में डालकर रखें। घर ऑफिस में काला शीशा लगायें या पास में जेब में रखें। एक दिन में तीन कुत्तों को खाना खिलायें। किया गया वायदा पूरा करें। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। अपशब्द का इस्तेमाल न करें।

कन्या राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

यदि आपके कार्य क्षेत्र में बार-बार रुकावटें एवं परिवर्तन आ रहे हो तो गुरुवार के दिन पीले चन्दन की बिन्दी/तिलक लगाएं। यदि आपको मनोकामना पूर्ति करनी हो तो गाय का दूध भगवान शिव को अवश्य चढ़ाएं।

यदि किसी भी कार्य में सफलता एवं स्थिरता नहीं मिल रही हो तो गले में तुलसी की माला धारण करनी चाहिए। भोजपत्र पर गोरोचन से अनार की कलम द्वारा अपनी मनोकामना लिखकर पूजाघर में रख देना चाहिए। जब मनोकामना पूर्ण हो जाए, तो उसे बहते जल में प्रवाहित कर देना चाहिए।

शिक्षा एवं परेशानियों से बचने के लिए आपको हल्दी की माला लाकर किसी खूंटी पर गुरुवार के दिन लटका देनी चाहिए। जब परेशानियाँ समाप्त हो जाएं, तो उस माला को किसी हरे-भरे वृक्ष पर जाकर टाँग देना चाहिए।

यदि रोग-पीड़ाएं बनी रहती हों या शत्रु पक्ष प्रबल रहता हो, तो भोजपत्र पर लाल चंदन से जातक को अपने शत्रु का नाम लिखकर उसे शहद में डूबो देना चाहिए। स्वास्थ्य लाभ के लिए मिट्टी के पात्र में थोड़ा सा शहद लेकर श्मशान में छोड़ दें।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

2 नवम्बर 2014 को शनि की साढ़ेसाती समाप्त होकर शुभ स्थान में शनि का प्रवेश बहुत उन्नतिदायक है।

♦♦♦

तुला- रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपके लिए अच्छा रहेगा। आर्थिक दृष्टि से समय आपके लिए अनुकूल होगा। आपके लाभ के योग पूर्ण हैं। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। पुराने रोग आपको परेशान कर सकते हैं। संतान की तरफ से इस वर्ष आपको अच्छे समाचार सुनने को मिलेंगे। संतान की शिक्षा, उच्च शिक्षा, विदेश जाने की मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। आप अपने मित्रों से सतर्क रहें अन्यथा व्यापार में नुकसान की स्थिति बन सकती है। अपने अधिनस्थ कर्मचारियों के प्रति लापरवाही न रखें तथा उनकी समस्याओं पर तवज्जों देंगे तो वे ज्यादा जोशोखरोश से काम करेंगे। इस वर्ष भाग्य आपका साथ देगा एवं व्यापार में लाभ मिलेगा।सट्टे, शेयर इत्यादि में सोच-समझकर निवेश करें। लाभ के साथ-साथ नुकसान भी मिलेगा। वर्ष के अंत में इस व्यापार में आप स्वयं को जहां से चले थे वहीं पर पायेंगे। नये उद्योग में पैसा खर्च होने की संभावना बढ़ेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर बैचेनी रहेगी। उनके स्वास्थ्य के प्रति विशेष सावधानी बरतें। सरकार की तरफ से

परेशानियां आ सकती है। छोटी-मोटी तकलीफों के साथ यह वर्ष आपके लिए उपलब्धियों से पूर्ण होगा।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष मान-सम्मान, पुरुस्कार, उन्नति, नौकरी मिलने के अच्छे अवसर, कर्ज एवं फण्ड मिलने में आपकी व्यवहारिकता स्पष्ट रूप से सामने आयेगी। अचानक प्रमोशन, लाभ के भी अवसर प्राप्त होंगे। आप धन के मामले में बहुत ही भाग्यशाली रहेंगे। कम्प्यूटराईज्ड, इन्टरनेट, ऐरो डायनेमिक, इलैक्ट्रोनिक उपकरण आपके लिये उन्नति की नयी उम्मीद लेकर आयेंगे। इस वर्ष क्रय-विक्रय की काफी संभावना रहेगी। इस वर्ष पहले से मोटी तनख्वाह, अच्छे जॉब के मौके, प्रमोशन, बेहतर काम की सुविधाएं आपको मिलेगी। आपके दोस्तों का दायरा बढ़ेगा, जिनकी राय आपकी उन्नति में सहायक होगी। पार्टनरशिप में फायदा होगा। आपके पास किसी ना किसी तरह धन की आवक होती रहेगी। इस वर्ष आपके आमदनी से ज्यादा खर्च होंगे। धनागमन वर्षपर्यंत अच्छा होने के उपरांत भी आप संचय नहीं कर पायेंगे। माता पिता के स्वास्थ्य पर धार्मिक आयोजनों पर व शुभ कार्यों में धन का उपयोग होगा। ऐसे खर्च से आप खुश होंगे मन में इसको लेकर किसी प्रकार का खेद नहीं होगा।

घर और परिवार-

इस वर्ष जीवन साथी के साथ छोटे-मोटे झगड़े-फसाद हो सकते हैं। लेकिन स्थिति आपके काबू में होगी। नौकरी पेशा व्यक्तियों को प्रमोशन के साथ स्थानांतरण की पूरी संभावना है। इस वर्ष कुटुंबीजनों का ऊपरी सहयोग आपको प्राप्त होगा। जग दिखाई के लिए आपका मेलजोल बना रहेगा। आंतरिक तौर पर वैचारिक मतभेद की स्थिति होगी। छोटे भाई-बहिनों का व्यवहार ऊपरी दिखावे से भरपूर होगा। इस व्यवहार से आपका मन उदास हो सकता है। माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर शायद ही कोई परेशानी होगी। इस वर्ष आप शारीरिक व मानसिक तौर पर स्वस्थ होंगे। अविवाहित संतान की चिंता आपको परेशान रखेगी। यात्रा के योग भरपूर होंगे जो आपको खर्चों की बहुलता के साथ-साथ आर्थिक उन्नति के नये रास्ते भी खुलेंगे।

स्थायी सम्पत्ति-

स्थायी संपत्ति की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल है। संपत्ति खरीदने व बेचने के लिए अच्छा समय है। इसमें लाभ अर्जित करेंगे। नयी संपत्ति का क्रय आपको लाभान्वित करेगा। वहीं आध्यात्मिकता की तरफ भी आपका रूझान बढ़ेगा। आप अपनी आय के कुछ हिस्से से जरूरतमंद लोगों की मदद करके आनंद महसूस करेंगे। आप नया वाहन खरीद सकते हैं। आप अपने दफ्तर, घर इत्यादि की तरफ पुनर्निर्माण के लिए विचार करेंगे, आपकी स्थायी संपत्ति की वृद्धि में आपके जन्मकालीन ग्रहों का भी सहयोग रहेगा।

स्त्री वर्ग के लिये-

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शारीरिक तौर के बनिस्पत मानसिक परेशान हो सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों की छोटी-छोटी बातों को दिल से लगा लेंगे। आपके मन में हर वक्त किसी अनहोनी की आशंका बनी रहेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग सामान्य रहेगा। लेकिन आप अपने क्रोध पर काबू रखें अन्यथा खटपट हो सकती है। छोटे भाई-बहिनों का स्वास्थ्य कुछ नरम रहेगा। यदि आप शादीशुदा हैं तो दाम्पत्य जीवन सुख से बितेगा। यदि आप मानसिक तौर पर व शारीरिक तौर पर परेशान हैं तो अपना शयन कक्ष नैऋत्य कोण में रखें व दक्षिण दिशा की तरफ सिर करके सोएं, अवश्य लाभ प्राप्त करेंगे। माता-पिता का स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। संतान को लेकर चिंता बनी रहेगी तथा संतान का मौज-शौक की तरफ रूझान बना रहेगा। अगर आप परीक्षार्थी हैं तो आपको कड़ी मेहनत व संघर्ष की आवश्यकता है। आपको नौकरी में मनोनुकूल उन्नति का अभाव खलेगा। आपका स्थानांतरण आशानुरूप नहीं होगा। मित्र का सहयोग बना रहेगा। कुछ संघर्ष करने के बाद आप संतुष्टि का अनुभव करेंगे।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिये यह वर्ष अच्छा रहेगा। शिक्षा के प्रति आपका रूझान बना रहेगा। भाग्य आपका साथ दे रहा है, थोड़े प्रयासों से ही आपको सफलता मिल जायेगी। परन्तु इसका तात्पर्य यह नहीं कि आप अध्ययन/परिश्रम करने में कोताही बरतें। भौतिक शास्त्र, गणित इत्यादि से संबंधित विषयों के छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे। वाणिज्य से संबंधित विद्यार्थियों के लिये प्रगतिकारक समय है। मेडिकल, फॉर्मेसी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक आदि के विद्यार्थियों के लिये परिणाम अच्छा रहेगा। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों के लिये वर्ष शुभ परिणाम देने वाला रहेगा। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिये अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है अन्यथा आपका परिणाम आशाजनक नहीं रहेगा।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

यह वर्ष आपके लिए स्वास्थ्य की दृष्टि से विशेष सहयोगात्मक नहीं कहा जा सकता। वर्ष पर्यंत आप मानसिक परेशानियों से घिरे रहेंगे। आप अपने मन-मस्तिष्क को तनावमुक्त रखें। खानपान के प्रति सावचेती रखें अन्यथा आपके स्वास्थ्य में परेशानी आ सकती है। यदि आप हृदय रोगी, ब्लडप्रैशर, शुगर के मरीज हैं तो इस हिदायत को नजरअंदाज न करें। उत्तम स्वास्थ्य के लिए टहलना जरूरी है वहीं समय-समय पर डॉक्टरी सलाह-मशविरा भी अपनाने की जरूरत है।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आप अच्छे अभिनेता, उद्योग संचालक, वकील, न्यायाधीश, चिकित्सक व कलाकार बन सकते हैं। रेशमी वस्त्रों का, अगरबत्ती, इत्र, दूध, दही, घी, चाँदी, वाद्ययंत्रों का व्यवसाय भी कर सकते हैं। सिनेमा, दूरदर्शन, रेडियो से भी आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं। जर्किन या ओपल व सफेद अकीक चांदी में धारण करना आपके लिये शुभ रहता है। वृद्धावस्था में रोग से लड़ने हेतु व्यय पर नियंत्रण रखकर संचय की प्रवृत्ति डालें।

कब होगा आपका भाग्योदय?

आपका भाग्योदय 24वें वर्ष से प्रारम्भ होगा, जीवन का 27, 34, 36, 43, 44, 45, 53, 54, व 62 वां वर्ष शुभ एवं भाग्य उन्नति कारक रहेगा। भाग्योदय/ भाग्यवृद्धि के लिए (**"ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं हसौः जगत्प्रस्यूते नमः"**) मंत्र का 108 बार शंख माला से जपे।

क्या व कब दान करें?

दुर्भाग्य मुक्ति के लिए एवं कष्ट निवारण के लिए **"ॐ ह्रीं शुं शुक्राय नमः"** मंत्र का 16000 जप करें। सफेद वस्तु, चावल, बताशे, सफेद कपड़ा, चांदी, हीरा, दही, इत्र, गेंहूँ आदि का दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आपको चाहिये कि यदि नये पार्टनर या मित्र बनाएं तो यह ध्यान रखें कि मेष, मिथुन, कर्क, मकर, धनु व कुम्भ राशि के व्यक्तियों को ही महत्व दें। इन्हीं राशि के मित्रों पार्टनरों तथा अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। इन्हीं राशियों के स्थान, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों से आपके कार्य सिद्ध होंगे।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

तुला राशि के लोगों की सहयोगी राशियाँ मेष, मिथुन, धनु और कुम्भ

है। इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप मेष व मिथुन राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। धनु व कुम्भ राशि के लोगों से आपको अच्छा सहयोग मिलेगा। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होंगी।

आपकी राशि के शुभ अंक

आपकी राशि के शुभ अंक 5, 6 तथा 8 हैं। यदि आप इन राशि अंकों का उपयोग करें तो प्रायः लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपके भाग्यशाली अंक

आपके भाग्यशाली अंक 6 और 8 हैं। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको बड़ा लाभ हो सकता है, विशेष रूप से इनका उपयोग करें।

आपका शुभ रंग

आपका शुभ रंग नारंगी, क्रीम, गुलाबी और हल्का आसमानी है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके लिये लाभदायक रहेगा।

शुभ रत्न व उपरत्न

आपका शुभ रत्न हीरा है। आप हीरा धारण करें तो आपके लिये बहुत लाभदायी रहेगा। हीरा एक मूल्यवान रत्न है अतः आम आदमी इसे नहीं खरीद सकता अतः इसके अभाव में आप जरकन धारण कर सकते हैं। हीरे का उपरत्न जरकन है। यह प्रभावशाली होता है और ग्रहों की अनुकूलता में सहायक भी।

शुभ आराध्य देवता

आपकी राशि अनुसार आपके शुभ आराध्य देवता लक्ष्मी, गणेश और कुबेर हैं। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें। धन की देवी लक्ष्मी और ऋद्धि-सिद्धि दाता गणेश की कृपा दृष्टि से आपका सुख-सौभाग्य व बुद्धि-विवेक का क्षेत्र सक्रिय हो उठेगा। कुबेर की पूजा-अर्चना आपको अतुल धन सम्पदा प्रदान करेगी।

आपका शुभ यंत्र

जैसा कि आपने जाना आपके शुभ आराध्य देवता धन की देवी लक्ष्मी, ऋद्धि-सिद्धि दाता गणेश और धनपति कुबेर हैं, अतः इनके शुभ यंत्र श्रीयंत्र, कुबेर यंत्र और गणेश यंत्र स्थापित करें। नित्य पूजा-अर्चना कर मंत्र जाप करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

पीली सरसों का दान धर्मस्थान में करें। माता-पिता की आज्ञा से विवाह करें। सूखे फूल पत्ते घर में नहीं रखने चाहिये। अंधों को भोजन खिलाएं। तामसिक वस्तुओं से बचें। मक्खन, आलू, दही दान करें। स्त्री को सम्मान दें। मद्यपान से बचें। ईश्वर पर विश्वास रखें। तुला राशि में जन्में व्यक्ति इन उपायों को उपयोग में लाकर राशि दोष को दूर कर सकते हैं।

तुला राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

जीवन में स्थिरता, प्रगति एवं सुख समृद्धि के लिए इस राशि वाले जातकों को प्रतिदिन माता लक्ष्मी के सामने गाय के दूध से बने घी का दीपक जलाना चाहिए।

यदि किसी भी कार्य में सफलता एवं स्थिरता नहीं मिल रही हो तो आप घर में मनीप्लांट का पौधा बुधवार के दिन लगाए।

यदि दाम्पत्य जीवन में तनाव चल रहा हो तो मंगलवार के दिन लाल वस्त्र में जटायुक्त नारियल बाँधकर उसे बहते हुए स्वच्छ जल में प्रवाहित करें।

जीवन में मान-प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए आपको काली गाय की सेवा करनी चाहिए। सोमवार के दिन गाय को आटा खिलाना भी लाभदायक रहेगा।

यदि आप धन-समृद्धिपूर्ण जीवन के अभिलाषी हो तो मंगलवार के दिन नए लाल वस्त्र में कुछ रुपये बाँधकर पूजाघर में रख दें तथा जब रुपये इकट्ठे हो जाए, तो उसे किसी हनुमान मन्दिर के निर्माण में दान स्वरूप दे दें।

यदि आप अकस्मात् धन प्राप्ति के इच्छुक हों तो प्रत्येक शुक्रवार के दिन अपने घर के मुख्य द्वार पर गोधूलि बेला में गौ घृत का आटे का बना दीपक जलाएं। दीपक में आपको चार बत्तियाँ प्रज्जवलित करनी चाहिए।

यदि धन प्राप्ति के मार्ग अवरुद्ध हो रहे हों तो नौकरी या व्यवसाय के लिए घर से निकलते समय मुँह मीठा करें।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

09 सितम्बर 2009 से आपको शनि की साढ़ेसाती आरम्भ हुई थी। साढ़ेसाती का द्वितीय चरण 2 नवम्बर 2014 तक चलेगा। तत्पश्चात् साढ़ेसाती का अन्तिम चरण आरम्भ होगा जो कि 26 जनवरी 2017 तक चलेगा। अतः आप शनि दोष निवारण के उचित उपाय करें। शनि का दान दें। आप शनि तैंतीसा यंत्र के साथ नीली जड़ित पेंडल धारण करें, इससे बुद्धि में अवकार नहीं आ पायेगा।

♦♦♦

धनु- ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपको अनेकानेक कार्य बाधाओं, कार्य विलंबता व परेशानियों के कारण शांति नहीं रख पायेगा। यह वर्ष आपके लिए मिश्रित फल वाला होगा। कभी हर्ष तो कभी विषाद, कभी खुशी तो कभी गम, कभी धन की सुगमता तो कभी विषमता, कभी स्वस्थ तो कभी अस्वस्थ। घर-परिवार में वर्षपर्यंत मांगलिक एवं शुभ कार्य होंगे। किसी परिजन की स्वास्थ्य सेवा में आप व्यस्त हो सकते हैं। भाईयों, मित्रों से अकारण ही तनाव पैदा हो सकता है। स्थायी-संपत्ति खरीद के अवसर हैं। यह वर्ष अनेकानेक रूप से परिवार में आए तनाव को निश्चय ही कम करेगा। माता, मकान, वाहन आदि पर वर्षपर्यंत शुभ खर्च होते रहेंगे। रूका हुआ भवन निर्माण इस वर्ष पूर्ण होगा। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। विवाह योग्य पुत्र-पुत्रियों का विवाह होगा। आपकी सकारात्मक सोच कुंटुंब व परिवार के प्रति समर्पण भाव, पारिवारिक व सामाजिक तौर पर वर्चस्व बढ़ाने वाली रहेगी। पड़ौसियों से मन-मुटाव हो सकता है। माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर परेशानी रह सकती है। व्यापार की तरफ ध्यान दें, तथा स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष आपको पैसे की आवक तो बनी रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम के पश्चात् जितना परिश्रम करेंगे उतना ही लाभ पायेंगे। सट्टे व शेयर बाजार में संभलकर निवेश करें वरना लाभ के स्थान पर हानि भी उठानी पड़ सकती है। फिजूल की यात्राएं होती रहेगी लेकिन इन यात्राओं का कोई अर्थ नहीं निकलेगा इसलिए फिजूल की यात्राओं से बचें। मित्रों का व्यवहार कपट भरा हो सकता है इसलिए मित्रों व रिश्तेदारों से सावधान रहें। कामकाज को लेकर वर्ष के मध्य में कोई विदेश यात्रा के दौर बन सकते हैं। यदि जन्मकालीन ग्रह आपका साथ देंगे तो लक्ष्य प्राप्ति की संभावना है। नौकरी के अलावा अतिरिक्त आय के लिये आप हाथ-पांव मार सकते हैं। आपके पैसों पर आपके अधीनस्थों की नजर रहेगी और यदि

उनको मौका मिला तो वे अपनी कारगुजारियों को अंजाम भी दे सकते हैं। यदि आप स्वयं का व्यवसाय करते हैं तो वर्षपर्यन्त व्यापार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

घर और परिवार-

घर परिवार की दृष्टि से यह वर्ष शारीरिक तथा मानसिक परेशानी भरा रहेगा। समय शौक-मौज में गुजरेगा। कार्य आपको धीरे और मध्यम गति से होता हुआ नजर आयेगा। छोटे भाई-बहिन आपकी बातों की अनदेखी करेंगे जो आगे जाकर परेशानी का कारण बनेगा। संतान की तरफ से थोड़ी शांति रहेगी। वो जो काम करना चाहेंगे आपकी पूर्ण सहमति रहेगी। अगर नौकरी में परिवर्तन करना चाहते हैं तो इस समय योग अच्छे हैं। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। माता का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। पैतृक संपत्ति मिलने में परेशानी होगी। धार्मिक कार्यों में रूझान ठीक-ठीक रहेगा। मित्रों का पूर्ण सहयोग रहेगा, यात्रा के योग रहेंगे। जीवन साथी का उग्र स्वभाव देखते हुए आपको शांति धारण करने की आवश्यकता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति सावचेत रहें, वरना सीने में दर्द उठने की शिकायत हो सकती है। आपके कौटुंबीजन आपको दुश्मन न समझ इसके प्रयास आपको करने होंगे। आपके नाम पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना है। विदेश यात्रा का योग बन रहा है। पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

स्थायी सम्पत्ति-

इस वर्ष आपकी स्थायी सम्पत्ति बढ़ने के योग नहीं हैं। इस समय आपको लोन एवं फण्ड जुटाने में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। यदि कोई सम्पत्ति खरीदना चाहें तो सोच समझकर खरीदें नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। अभी ऑफिस में पुरानी वस्तुओं के फेरबदल को त्यागें। वर्ष के मध्य में आप नया वाहन खरीद सकते हैं। लेकिन वाहन से होने वाली दुर्घटनाओं का ख्याल रखें नहीं तो आपको चोट पहुंच सकती है। स्थायी सम्पत्ति की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। नवीन इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रति आपका रूझान अधिक रहेगा। शेयर इत्यादि में निवेश के समय सावधानी बरतें नहीं तो पैसे फंसने के योग हैं। इस समय आपका भाग्य आपका साथ नहीं देगा। वर्ष के अंत तक अच्छा समय आ जायेगा और आप अपने को हल्का महसूस करेंगे।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्त्री वर्ग के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं कहा जा सकता। स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक अशांति भी पूरे वर्ष बनी रहेगी। आप वायु विकार से भी परेशान रहेंगे। आपको उचित देखभाल की आवश्यकता है। आप किसी स्त्री जनित रोग से परेशान हो सकती हैं। आप अपने रोग को नजरअंदाज ना करें और समय रहते इलाज की तरफ ध्यान दें वर्ना कोई बड़ी परेशानी हो सकती हैं। घर पर आपकी पकड़ ढीली पड़ती जायेगी आप निश्चय नहीं कर सकेंगे कि आप क्या करें। गर्मी के मौसम में आप सावधानी रखें वर्ना मौसमी बीमारी कोई बड़ा रूप ले सकती है। परीक्षार्थी हैं तो अच्छे से तैयारी करें, अपने नकारात्मक विचारों को त्यागें तथा प्रश्नों का हल देते समय अपने दिमाग को ठंडा रखें। पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष मध्यम रहेगा। माता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी हो सकती है। संतान को लेकर कुछ परेशान बन सकती है। यदि अविवाहित संतान है तो विवाह के योग घटित होंगे। संतान प्राप्ति की इच्छा अभी पूरी नहीं होगी। आप नई संपत्ति में निवेश करेंगी लेकिन आपको अपने इच्छानुरूप संपत्ति नहीं मिलेगी।

विद्यार्थियों के लिये-

यह वर्ष आपके लिए मानसिक व शारीरिक त्रास भोगने वाला रहेगा। अगर आप सावधान नहीं रहे तो प्रतिकूल परिणाम भोगने भी पड़ सकते हैं। इस समय शिक्षा के प्रति आपका गैरजिम्मेदाराना रवैया आपको नुकसान पहुँचा सकता है। यदि आप अच्छा परिणाम चाहते हैं तो आपको कड़ा परिश्रम करना ही पड़ेगा। गणित और भौतिक शास्त्र के विषय में विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थी अच्छे फल की आशा रख सकते हैं। स्नातक के विद्यार्थियों को अध्ययन में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इंजीनियरिंग, एमबीए, बीबीए जैसी परीक्षाओं के लिये अच्छा नहीं है इसलिए कड़ा परिश्रम करें। फैशन डिजाईनिंग, मॉडलिंग आदि के विद्यार्थियों के लिये भी यह वर्ष उत्तम है, इसमे सफलता मिलेगी। प्रचार, प्रसार, मीडिया, फिल्म क्षेत्र से संबंधित विद्यार्थियों को कुछ परिश्रम के पश्चात् सफलता प्राप्त होगी। अच्छी उपलब्धियां भी प्राप्त हो सकती है। प्रतियोगिता परीक्षाओं में आपको थोड़ी मेहनत की जरूरत पड़ेगी। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिये तभी उनका परिणाम उत्तम रह पायेगा। इसलिए इस वर्ष आप पढ़ाई की तरफ ज्यादा ध्यान दें नहीं तो परिणाम कुछ भी हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति आपको विशेष सतर्कता रखने की आवश्यकता है। आप किसी शल्य चिकित्सा से भी गुजर सकते हैं। परिवार में वाद-विवाद का माहौल रहेगा। कुटुंब का सहयोग ना के बराबर रहेगा। यह आपको मानसिक तौर पर परेशान करेगा। इस वर्ष संतान के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता बनी रहेगी। उनकी तिमारदारी में अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। वरना आपका स्वास्थ्य भी खराब हो जाने के पूरे योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग कुछ हद तक मिल जायेगा। आप सूर्य भगवान की आराधना उपासना करें तो उत्तम फल की प्राप्ति होगी।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

जन्मकुण्डली में बृहस्पति स्त्री राशि में होने पर पहले नौकरी करेंगे फिर निजी व्यवसाय करेंगे वहीं जन्मकुण्डली में बृहस्पति पुरुष राशि में होने पर व्यवसाय ही करेंगे। स्कूल व धार्मिक संस्था के संस्थापक भी बन सकते हैं। भोजन, वस्त्र बैंक, कानून, अध्यापन, सलाहकार, लेखक, दार्शनिक, अन्वेषक, खाद्यान्न के व्यापारी, कर्मकाण्डी पंडित, देश-प्रेमी, प्रकाशक, ईंट, भूमि, पत्थर व्यापारी व इन्कम टैक्स, सेल्सटेक्स विभाग के कर्मचारी, एवं राज्य कर्मचारी बन सकते हैं।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्यवृद्धि हेतु जीवन का 19, 25, 28, 34, 37, 43, 46, 52, 55, 61, व 64वें वर्ष श्रेष्ठ रहेंगे। भाग्योदय/ भाग्यवृद्धि के लिए **"ॐ नमो विष्णवे नमः"** मंत्र के जप तुलसी की माला से जपें तथा विष्णु सहस्त्रनाम का एक पाठ नित्य करें तथा गुरूवार का व्रत रखें और पीला वस्त्र धारण कर लक्ष्मी तथा विष्णु के मिश्रित चित्र की पूजा करें।

क्या व कब दान करें?

दुर्भाग्य मुक्ति एवं कष्ट निवारण के लिए **"ॐ बृं बृहस्पतये नमः"** मंत्र के 19000 जप करें। पीला कपड़ा, चने की दाल, घी, सोना, फल, पुखराज, हल्दी, पुस्तक, शहद आदि दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

व्यापार में किसी को पार्टनर बनाना या साझेदारी में व्यापार शुरू करना आपके लिए ठीक है। लेकिन व्यापार शुरू करने से पहले पूर्ण तरीके से अपनी तसल्ली जरूर कर लें। जहां तक हो सके आप

अपने झगड़ों को शीघ्र निपटा लें वरना लाभ की बजाय नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। आप अपनी मित्र राशियों के व्यक्तियों से व्यापारिक सम्बन्ध बनायें तो आपके लिये अच्छा रहेगा। आप मेष, मिथुन, सिंह, तुला और कुम्भ राशि के व्यक्तियों के साथ व्यवहार कर सकते हैं, लाभ में रहेंगे। व्यापार, व्यवसाय में विश्वास बहुत बड़ी चीज है इसे खोने नहीं दें।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

इस वर्ष धनु राशि के लोगों की सहयोगी राशियाँ मिथुन, तुला और कुम्भ है। इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप मिथुन व कुम्भ राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। तुला और कुम्भ राशि के लोगों से आपको प्रत्येक क्षेत्र में अच्छा सहयोग मिलेगा। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियाँ व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होंगी।

आपकी राशि के शुभ अंक-

इस वर्ष आपकी राशि के शुभ अंक 3, 12, 21 तथा 30 है। इन राशि अंकों का उपयोग कर आप प्रायः शुभलाभ प्राप्त कर सकते हैं। दैनिक जीवन में इन अंकों का प्रयोग आपके लिये लाभदायी सिद्ध होगा।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक-

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक 3, 6, 9, 12, 15, 18 और 21 है। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

आपका शुभ रंग-

इस वर्ष आपका शुभ रंग पीला, क्रीम, जामुनी, सुनहरा और नारंगी है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके लिये लाभदायक रहेगा।

शुभ रत्न व उपरत्न-

इस वर्ष आपका शुभ रत्न पुखराज है। आप उच्च गुणवत्ता वाला तीन-चार रत्ती का पुखराज धारण करें तो आपके लिये बहुत लाभदायी रहेगा। पुखराज थोड़ा महंगा रत्न है अतः आम आदमी इसे नहीं खरीद सकता इसके अभाव में पुखराज का उपरत्न सुनैला भी धारण किया जा सकता है।

शुभ आराध्य देवता-

आपकी राशि अनुसार इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता भोलेनाथ शिव और धनपति कुबेर हैं। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें।

आपका शुभ यंत्र-

जैसा की आपने जाना इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता भोलेनाथ शिव और धनपति कुबेर हैं, अतः इनके शुभ यंत्र कुबेर यंत्र और गुरु यंत्र स्थापित करें। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन इन यंत्रों की पूजा करें। नित्य धूप-अगरबत्ती और पूजा-अर्चना करें।

शुभ दिनांक एवं शुभ वार-

इस वर्ष आपके लिये शुभ दिनांक 1, 3, 7, 10, 12, 15, 19, 21, 24, 28 और 30 है। किसी भी माह की इन दिनांकों को यदि आप व्यापार, व्यवसाय, घर-परिवार आदि से संबंधित किसी भी कार्य में हाथ डालते हैं तो आप अवश्य सफल होंगे। असफलता की संभावनाएं आंशिक ही बनेंगी जबकि सफलता की पूर्ण संभावनाएं इन दिनांकों को रहेंगी। शुभ दिनांकों के साथ ही आप शुभ वार का भी ध्यान रखें। इस वर्ष आपके लिये शुभ वार गुरुवार, शुक्रवार और रविवार हैं। शुभ दिनांक व शुभ वार में किया गया आपका कोई भी कार्य निश्चित ही शुभ फलदायी होगा।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

पीला रूमाल हमेशा पास रखें। गंगाजल का सेवन करें तथा स्नान करें। झूठी गवाही न दें। भिखारी को निराश नहीं लौटायें। पीले फूल के पौधे लगायें, धार्मिकता का पालन करें। तीर्थयात्रा कीजिए तथा दूसरों की भी मदद करें। गुरूओं का आदर करें। माता-पिता का सत्कार करें। इन उपायों से निश्चित लाभ ग्रहण करके गुरु ग्रह को बलवान कर सकेंगे। इस प्रकार आप लाल किताब के उपायों से दोषों को दूर करें।

धनु राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

जीवन में स्थिरता, प्रगति एवं दुविधापूर्ण स्थितियों से बचने के लिए इस राशि वाले जातको को हमेशा पीले चंदन की माला पहननी चाहिए अथवा पूजाघर में रखनी चाहिए।

जीवन में दैवीय सहायता प्राप्त करने के लिए आपको सोमवार के दिन शिवलिंग पर धतूरा चढ़ाना चाहिए। सोमवार के दिन कुंए में कच्चा दूध डालना भी शुभ फलदायक होगा।

शिक्षा एवं परिवार से जुड़ी परेशानियों से बचने के लिए आपको मुख्य द्वार पर पीले पुष्प उत्पन्न करने वाले पौधे लगाने चाहिए तथा गुरुवार के दिन माथे पर पीला चंदन एवं केसर लगाना चाहिए।

यदि रोग पीड़ाऐं बनी रहती हों या शत्रु पक्ष प्रबल रहता हो, तो माता लक्ष्मी की हल्के रंग की पोशाक मन्दिर में दान करें।

जीवन में मान प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए बुधवार के दिन विधारा की जड़ को गले अथवा दाहिने बाजू में धारण करें।

यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नहीं हो रहा हो तो अपने गल्ले या तिजौरी में लाल वस्त्र बिछाकर रखें। तिजोरी के नीचे गुंजा के बीज रखने से भी अनुकूल परिणाम प्राप्त होते हैं।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

02 नवम्बर 2014 से आपको शनि की साढ़ेसाती का प्रथम चरण प्रारम्भ हो चुका है जो कि 26 जनवरी 2017 तक रहेगा। इसके पश्चात् साढ़ेसाती का द्वितीय चरण आरम्भ होगा।

♦♦♦

वृश्चिक- तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपके लिये आर्थिक उन्नतिकारक होगा। वर्ष के प्रारम्भ से ही बृहस्पति आपके लिये दशम भाव में होगें। बृहस्पति धन का स्वामी है अतः आपको फण्ड निवेश, खरीद, बेचान, अचल सम्पत्ति के खरीद फरोख्त, गैस कैमिकल के उद्योग में सफलता प्राप्त होगी। गुरू के वक्री काल में कुछ पारिवारिक, व्यापारिक समस्या आ सकती है। व वक्री गुरू कुछ आर्थिक समस्या खड़ी कर सकता है। वृष राशि के लिए योगकारी शनि वर्षपर्यंत त्रिकोण भाव में मित्र राशिस्थ होकर संतान की तरफ से सुखद समाचारों का आदान-प्रदान कराता रहेगा। विद्यार्थी मनोनुकूल परिणाम पा सकेंगे और नौकरी पाने में भी सफल होंगे। इस वर्ष विदेश सम्बन्धी कार्य उन्नतिकारक होंगे। साथ ही देश-विदेश व धार्मिक स्थलों की यात्रा भी करेंगे। इस समय घर में वृद्धजनों के बीमार होने की संभावनाएं हैं। दाम्पत्य जीवन में मधुरता का संचार होगा। कार्य विशेष में पत्नी का सहयोग मिलने से आप हर्षित रहेंगे। कुल मिलाकर यह वर्ष निश्चय ही मन को शांति

प्रदान करने वाला रहेगा। पिछले ढाई वर्ष से शनि की ढ़ैय्या की वजह से परेशान थे वह सारी परेशानियां स्वतः ही शांत हो जायेगी।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति मनोनुकूल होगी। पैसे की आवक तो बनी रहेगी साथ ही खर्चों में बढ़ोतरी होगी। छोटे निवेश आपको लाभ देंगे। एक से अधिक क्षेत्रों में आपका जुड़ाव होगा। नौकरी के अलावा आप दूसरे स्रोतों से भी लाभ पा सकते हैं। जन्मकालीन ग्रह यदि आपका साथ दे रहे हैं तो आप बड़े निवेश में हाथ-पांव मारे अन्यथा हानि हो सकती है। आप जो भी कार्य करेंगे उसका प्रतिफल आपको लगातार मिलता रहेगा। मित्रों के साथ मौज-शौक में वर्ष व्यतीत होगा। जीवनसाथी व पार्टनर से संबंध कटु व तनावपूर्ण हो सकते हैं। समझदारी से काम लेंगे तो इस मोर्चे पर सफलता पा सकते हैं। पैतृक संपत्ति का लाभ होगा।

घर और परिवार-

घर-परिवार की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा। कुटुंब के सदस्यों के सहयोग में कमी महसूस करेंगे वही पति-पत्नी व बच्चों के सहयोग से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। छोटे भाई-बहिनों की तरफ से पढ़ाई को लेकर विशेष चिंता नहीं रहेगी। उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। इस समय वे कोई नया कार्य करना चाहेंगे तो छोटी-मोटी उलझन के बाद नया काम मिल जायेगा। सट्टे के काम में उन्हें भी सावधानी बरतने की राय दें। अन्यथा नुकसान उठाने की संभावना ज्यादा है। माता का स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह के पूर्ण योग हैं व मन मुताबिक आपका जीवनसाथी मिलेगा। संतान पक्ष से थोड़ा परेशान रहेंगे। संतान किसी बुरी संगत में ना पड़ जाये इसके प्रति सतर्क रहें। जीवनसाथी का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के नाम से खरीदी हुई संपत्ति में आपको लाभ होगा।

स्थायी सम्पत्ति-

इस वर्ष नई संपत्ति की वृद्धि होगी। घर-ऑफिस इत्यादि के पुर्ननिर्माण की संभावना है। आपकी पत्नी के नाम से खरीदी हुई संपत्ति में लाभ का योग है। आपका रूझान आपको लाभ देगा। नये वाहन की खरीद्दारी का योग है। लाल रंग का वाहन आपके लिए शुभ होगा। घर में विलासिता की सामग्री पर व्यय होगा। उपहार स्वरूप आभूषणों की प्राप्ति होगी। विदेश यात्रा का लाभ प्राप्त होगा एवं विदेश से आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पैतृक संपत्ति का लाभ होगा। स्थायी संपत्ति की बढ़ोतरी में माता-पिता का सहयोग पूर्ण रूप से प्राप्त होगा। वर्ष मध्योपरांत दुर्घटना से सावधान होकर वाहन चलायें। वर्षान्त में सभी कुछ सामान्य रहेगा।

स्त्री वर्ग के लिये-

घर परिवार की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिये अनुकूल होगा। इस वर्ष कुटुम्ब के सदस्यों का सहयोग बना रहेगा। अपने क्रोध पर संयम रखने से परिवार का साथ बराबर पाते रहेंगे। छोटे भाई-बहिनों की गलतियों को नजर-अंदाज कर देंगे जिससे उनको ज्यादा हिम्मत मिलेगी और इससे वो किसी बड़ी तकलीफ में आ सकते हैं। इस मामले में आप भाग्य को कोसेंगे। स्थायी संपत्ति खरीदने के योग हैं। माता का स्वास्थ्य नरम रहेगा। विवाह योग्य संतानों का विवाह योग है। अगर आप नौकरी पेशा में लगे हुए हैं तो प्रमोशन के योग हैं। वर्ष के अंत में अगर आप कोई स्थायी संपत्ति खरीदने की जोखिम उठाते हैं तो वह नहीं उठायें। माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं। संतान की तरफ से भी कुछ तकलीफ आ सकती है। इसलिए वर्ष के अंत में थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिये यह समय अनुकूल हैं। आप परीक्षा के दिनों में सहजता महसूस करेंगे। आपको मेहनत ज्यादा नहीं करनी पड़ेगी। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को सफलता के लिए कुछ परिश्रम की आवश्यकता है तथा गणित, भौतिक शास्त्र एवं रसायन शास्त्र से संबंधित विद्यार्थियों को भी संघर्ष करना पड़ेगा। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। फिर भी पूरी लगन के साथ परीक्षा की तैयारी करें। स्नातक तथा इंजीनियरिंग तथा आर्किटेक्ट से संबंधित विद्यार्थी नये आयाम स्थापित करेंगे लेकिन कड़ी मेहनत के बाद। फार्मेसी, नेचुरापैथी तथा होम्योपैथी से संबंधित विद्यार्थियों को विशेष सफलता नहीं मिलेगी। अनुस्नातक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। इस वर्ष अगर आप नौकरी के लिए या प्रतियोगिता परीक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो आपके प्रयास सफल होंगे।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। छोटी-मोटी परेशानियां रह सकती है। वायरल, इन्फेक्शन से संबंधित परेशानियां घेर लेंगी। यदि आप हृदय रोग या ब्लड प्रेशर के रोगी हैं तो अपना विशेष ध्यान रखें। सामान्य तौर पर आप एक क्रोध करने वाले व्यक्ति हैं अतः अपने उत्तम स्वास्थ्य के लिये अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखें। वाहन चलाने में सावधानी बरतें, छोटी-मोटी दुर्घटना हो सकती है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी ना करें। माता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा परन्तु पिता को गठिये का रोग परेशान कर सकता है। आप अपनी पत्नी के मोटापे को लेकर परेशान रहेंगे। अपने खान-पान पर पूरा नियन्त्रण रखें। स्वास्थ्य लाभ के लिये नियमित रूप से व्यायाम करें तथा बृहस्पति की उपासना भी करें।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

कृष्ण पक्ष में जन्मे व्यक्ति राजनीति, ज्ञान-विज्ञान एवं तकनीकी कार्यों में सफल होते हैं। शुक्ल पक्ष में जन्मे व्यक्ति ज्योतिष, दर्शन, शिक्षा व व्यवसाय के क्षैत्र में उन्नति करेंगे। आप अध्यापक, वकील, पुलिस अधिकारी, चिकित्सक, अभिनेता बन सकते है। सफेद वस्त्र धारण करने पर आपका व्यक्तित्व अत्यधिक निखर कर प्रभावशाली बन जाता है। आप प्रयास करें तो सफल सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन सकते हैं। आपको किसी कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर कम्पनी में अच्छी सैलेरी, जॉब भी मिल सकती है।

कब होगा आपका भाग्योदय?

यदि आपका जन्म दिन में हुआ है तो आपके जीवन का पूर्वार्द्ध सुखमय एवं उत्तरार्द्ध कष्टप्रद रहेगा। यदि आपका जन्म रात्रि में हुआ है तो आपका भाग्योदय बत्तीसवें वर्ष के बाद होगा तथा वृद्धावस्था आपकी सुख व समृद्धिपूर्ण रहेगी। भाग्यवृद्धि हेतु आपके जीवन में 21, 27, 28, 29, 35, 38, 45, 54, 55, 56, व 64 वें वर्ष अच्छे रहेंगे।

क्या व कब दान करें?

दुर्भाग्य मुक्ति एवं कष्ट निवारण के लिए आप जीवन भर दुर्गा, शिव या हनुमान की उपासना करें। रोग निवारण के लिए आप **"ॐ ह्रीं अं अंगारकाय नमः"** मंत्र का 11000 जाप करें। मूंगा, मसूर की दाल, गेहूँ, गुड़, लाल चंदन, लाल कपड़ा, सोना, तांबा व केसर आदि शुक्ल पक्ष के किसी मंगलवार को दक्षिणा सहित दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आप किसी के साथ साझेदारी में व्यवसाय या व्यापार शुरु करने जा रहे हैं तो यह वर्ष आपके लिए सामान्य प्रतिफल देने वाला है।

साझेदार के साथ आपकी अच्छी बनेगी। आप पूर्ण रूप से एक-दूसरे के लिये समर्पित एवं सहयोगी हो सकते हैं। व्यापार/ व्यवसाय बढ़ेगा। स्त्री वर्ग से विशेष सहयोग मिलेगा। आप अपनी मित्र राशियों के व्यक्तियों से व्यापारिक सम्बन्ध बनायें तो आपके लिये अच्छा रहेगा। आप कर्क, मकर, और मीन राशि के व्यक्तियों के साथ व्यवहार कर सकते हैं, लाभ में रहेंगे। मित्र सहायता के लिये आगे आयेंगे। पत्नी का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। ईमानदारी की नीति अपनायें तो साझेदारी लम्बे समय तक चलेगी और आप उचित धन भी कमायेंगे।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

इस वर्ष वृश्चिक राशि के लोगों की सहयोगी राशियाँ कर्क, मकर और मीन है। इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप कर्क व मीन राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। मकर और कर्क राशि के लोगों से आपको अच्छा सहयोग मिलेगा। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होंगी। आप प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इनको अपने करीब पायेंगे।

आपकी राशि के शुभ अंक-

आपकी राशि के शुभ अंक 1, 2, 3 तथा 9 है। इन राशि अंकों का उपयोग कर आप प्रायः शुभलाभ प्राप्त कर सकते हैं। दैनिक जीवन में इन अंकों का प्रयोग आपके लिये लाभदायी सिद्ध होगा।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक-

आपके भाग्यशाली अंक 3, 6, 9, 18 और 27 है। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको बड़ा लाभ हो सकता है, बड़े अवसर भी हाथ लग सकते हैं।

आपका शुभ रंग-

आपका शुभ रंग लाल, पीला, गुलाबी, क्रीम और नारंगी है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके लिये लाभदायक रहेगा।

शुभ रत्न व उपरत्न-

आपका शुभ रत्न मूंगा, पुखराज और मोती है। आप पुखराज, मूंगा और मोती में से कोई एक धारण करें तो आपके लिये बहुत लाभदायी रहेगा। पुखराज थोड़ा महंगा रत्न है अतः आम आदमी इसे नहीं खरीद सकता अतः इसके अभाव में मूंगा और मोती भी धारण कर सकते हैं। आप चाहे तो उपरत्न के रूप में लाल हकीक भी धारण कर सकते हैं।

शुभ आराध्य देवता-

आपकी राशि अनुसार इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता विष्णु, मंगल देव और भैरव हैं। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें।

आपके शुभ यंत्र-

जैसा कि आपने जाना इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता विष्णु, मंगल देव और भैरव हैं, अतः इनके शुभ यंत्र मंगल यंत्र और बगलामुखी यंत्र स्थापित करें। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन इन यंत्रों की पूजा करें। नित्य धूप-अगरबत्ती और पूजा-अर्चना करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार-

प्रायः लाल रूमाल का प्रयोग करें। मीठी रोटी गरीबों को खिलायें। प्रातःकाल शहद का सेवन करें, ऐसा नियम बना लें। अपनो से बड़ों की सेवा करें। माता-पिता का पूर्ण आदर-सत्कार करें। बंदरों को गुड़ और चना डालें। लाल चीटियों को शक्कर डालें। मंगल यंत्र का विधिवत् स्थापित करके पूजा करें। सिंदूर का तिलक लगायें। लाल गुलाब, शहद, मसूर की दाल मंगलवार को जल में प्रवाहित करें। हनुमानजी को सिंदूर चढ़ायें तथा मंगलवार को उपवास करें।

वृश्चिक राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके-

यदि आपके कार्यक्षेत्र में बार-बार रुकावटें एवं परिवर्तन आ रहे हों तो रविवार को दोपहर के समय दाहिने हाथ में 6 चक्कर लगाते हुए कलावा (मोली) बांधे।

यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नहीं हो रहा हो तो शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी के मन्दिर में गौ घृत का दीपक जलाएँ तथा नवदुर्गा में अखंड ज्योति प्रज्जवलित करें।

यदि वाद-विवाद एवं दुर्घटना आदि के कारण धन का अपव्यय हो तो शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी के सामने लाल वस्त्र में जटायुक्त नारियल बांध कर रखना चाहिए। जब परेशानियाँ बंद हो जाएं तो उसे किसी देवी के मन्दिर में चढ़ा देना चाहिए।

यदि मानसिक एकाग्रता भंग हो रही हो, प्रेम-प्रसंगो में प्रतिकूलता मिल रही हो तो पीले चंदन में केसर मिलाकर गुरुवार के दिन तिलक या बिंदी लगानी चाहिए। भगवान विष्णु के मंदिर में पीले फल दान करने चाहिए।

यदि पैतृक धन एवं कुटुम्ब से जुड़ी परेशानियाँ चल रही हों तो घर के मुख्य द्वार के समीप पीले फूलों वाले पौधे एवं बेलें लगानी चाहिए। 16 गुरुवार तक किसी फलदार केले के वृक्ष के नीचे गौ घृत का दीपक जलाएँ।

महत्वपूर्ण कार्यो के समय लाल रंग के वस्त्र धारण करने से आपका जीवन सुखमय होगा।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

02 नवम्बर 2014 से आपको शनि की साढ़ेसाती का द्वितीय चरण प्रारम्भ होगा और साढ़ेसाती समाप्ति 24 जनवरी 2020 को होगी।

♦♦♦

मकर-भो, जा, जी, खो, गा, गी, खी, खू, खे

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपके लिये आर्थिक उन्नतिकारक होगा। वर्ष के प्रारम्भ से ही बृहस्पति आपके लिये दशम भाव में होगें। बृहस्पति धन का स्वामी है अतः आपको फण्ड निवेश, खरीद, बेचान, अचल सम्पत्ति के खरीद फरोख्त, गैस कैमिकल के उद्योग में सफलता प्राप्त होगी। गुरू के वक्री काल में कुछ पारिवारिक, व्यापारिक समस्या आ सकती है। व वक्री गुरू कुछ आर्थिक समस्या खड़ी कर सकता है। वृष राशि के लिए योगकारी शनि वर्षपर्यंत त्रिकोण भाव में मित्र राशिस्थ होकर संतान की तरफ से सुखद समाचारों का आदान-प्रदान कराता रहेगा। विद्यार्थी मनोनुकूल परिणाम पा सकेंगे और नौकरी पाने में भी सफल होंगे। इस वर्ष विदेश सम्बन्धी कार्य उन्नतिकारक होंगे। साथ ही देश-विदेश व धार्मिक स्थलों की यात्रा भी करेंगे। इस समय घर में वृद्धजनों के बीमार होने की संभावनाएं हैं। दाम्पत्य जीवन में मधुरता का संचार होगा। कार्य विशेष में पत्नी का सहयोग मिलने से आप हर्षित रहेंगे। कुल मिलाकर यह वर्ष निश्चय ही मन को शांति प्रदान करने वाला रहेगा। पिछले ढाई वर्ष से शनि की ढ़ैय्या की वजह से परेशान थे वह सारी परेशानियां स्वतः ही शांत हो जायेगी।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

यह वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति की दृष्टि से ठीक रहेगा। नौकरी वर्ग से जुड़े लोगों के प्रमोशन के द्वार शीघ्र खुल जायेंगे। इच्छित स्थान पर स्थानांतरण होगा। अगर कोई जांच चल रही है तो वह भी आपके पक्ष में जायेगी। अधिकारियों व सहकर्मियों के मध्य आये तनाव समाप्त होंगे। नौकरी पाने के प्रयासरत जातक नौकरी पाने में सफल होंगे लेकिन उन्हें थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। इस वर्ष आपके व्यापार में वृद्धि होगी कोई नया व्यवसाय का शुभारंभ होगा। साझेदारी में व्यवसाय कर सकते हैं। अगर आपका पैसा कहीं फंसा या रूका हुआ है तो वह शीघ्र ही वसूल होगा। वर्ष के आरंभ में यदि आप शेयर व सट्टे में निवेश करते हैं तो मई तक आपके लिए परिणाम अच्छे रहेंगे। जुलाई से लेकर नवम्बर तक इन व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए समय जोखिम भरा रहेगा। मौसमी व्यवसाय मुनाफा दे जायेंगे। आपके भाई व मित्रों से आप धोखा खा सकते हैं। आप किसी रिश्तेदार व मित्र के साथ मिलकर इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का कारोबार कर सकते हैं। आप उत्तम आर्थिक स्थिति के लिए कनकधारा यंत्र तथा बीसा यंत्र की पूजा करें।

घर और परिवार-

यह वर्ष आपके लिए कुछ हद तक अनुकूल कहा जा सकता है। किसी कार्य के प्रति यदि लगाव है तो यह इच्छा पूर्ण होगी। भाई-बहिन यदि प्रेम विवाह के इच्छुक हैं तो विवाह सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। पैसे के मामले में आप उतना ही पैसा खर्च करें जितनी आवश्यकता है। यदि कोई नौकरी के लिये प्रयासरत है तो सफलता मिलेगी। माता का स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहेगा, जोड़ों का दर्द एवं हृदय रोग के प्रति सतर्कता रखें। माता यदि नौकरी पेशा हैं तो इस वर्ष प्रमोशन की विशेष संभावना है। अविवाहित संतान के विवाह के योग बनेंगे। विवाहित संतान के साथ मतभेद कम से कम होंगे। कौटुम्बिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिये ठीक रहेगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति आप सचेत रहें। छोटी-मोटी बीमारियों से आप परेशान जरूर होंगे लेकिन बहुत कम स्तर पर। आपके काम बिना किसी रुकावट के सम्पन्न होंगे। कार्य के प्रति आप थोड़े कम ही गम्भीर रहेंगे। संतान की चिन्ता बराबर बनी रहेगी, उनकी प्रगति, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि को लेकर आप चिन्तित रहेंगे। आप सभी के सुख-दुःख में काम आयेंगे।

स्थाई सम्पत्ति-

स्थायी संपत्ति की दृष्टि से आपका यह वर्ष शुभ रहेगा। इस वर्ष आप बड़ी मात्रा में मौज-शौक से संबंधित वस्तुओं को खरीदेंगे। इस वर्ष आप अपने परिवार की खुशियों के लिए वाहन पर भी अपना पैसा व्यय करेंगे। ऐसा करके आप यहां तक ही नहीं रूक जायेंगे आप उन्हें छोटी-से-छोटी सुखोपभोग की वस्तु लाकर दे देंगे। अगर आप अपनी स्थायी संपत्ति जैसे मकान-दुकान व जमीन-जायदाद आदि में फेरबदल करना चाहते हैं तो इस वर्ष योग बहुत ही न्यून हैं। स्थायी संपत्ति में आप फेरबदल करने के इच्छुक है भी तो अपने जीवनसाथी व छोटे भाई-बहनों के नाम से करें इसके योग हैं। आपको अपने जीवनसाथी से भरपूर सहयोग मिलेगा चाहे वह आर्थिक हो या मानसिक हर स्तर पर वह आपके साथ खड़े होंगे। इस वर्ष आप यात्रा के दौरान कुछ ऐसी जगहों की सैर करें जो आपके लिए एक यादगार बन जायेगी, आप उन लम्हों को जीवनभर सभालना चाहेंगे।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्त्री वर्ग के लिए यह वर्ष अनुकूल है। इस वर्ष संक्रमण होने से छोटी बड़ी बीमारी हो सकती है। शरीर में थकावट का अनुभव करेंगे। छोटे भाई-बहिनों का सहयोग बना रहेगा, चाहे वे ऊपरी मन से ही क्यों ना सहयोग करें। संतान की तरफ से चिंताएं कम रहेगी। संतान का सहयोग आपको हर क्षेत्र में प्राप्त होगा। कामकाजी महिलाओं को प्रमोशन मिलेगा लेकिन असंतुष्टि का भाव भी बना रहेगा। हो सकता है मनोनुकूल स्थान पर उनका स्थानांतरण न हो। इस वर्ष भाग्य आपका समय-समय पर साथ देगा। आपके नाम की स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। स्थायी संपत्ति के नवनिर्माण व पुर्ननिर्माण पर खर्च हो सकता है। जीवनसाथी का सहयोग पूरा मिलेगा। छोटी-मोटी खटपट को आप नजरअंदाज करने की काबलियत रखते हैं।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिये यह समय अनुकूल हैं। आप परीक्षा के दिनों में सहजता महसूस करेंगे। आपको मेहनत ज्यादा नहीं करनी पड़ेगी। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को सफलता के लिए कुछ परिश्रम की आवश्यकता है तथा गणित, भौतिक शास्त्र एवं रसायन शास्त्र से संबंधित विद्यार्थियों को भी संघर्ष करना पड़ेगा। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। फिर भी पूरी लगन के साथ परीक्षा की तैयारी करें। स्नातक तथा इंजीनियरिंग तथा आर्किटैक्ट से संबंधित विद्यार्थी नये आयाम स्थापित करेंगे लेकिन कड़ी मेहनत के बाद। फार्मेसी, नेचुरापैथी तथा होम्योपैथी से संबंधित विद्यार्थियों को विशेष सफलता नहीं मिलेगी। अनुस्नातक वर्ग के विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। इस वर्ष अगर आप नौकरी के लिए या प्रतियोगिता परीक्षा के लिए प्रयासरत हैं तो आपके प्रयास सफल होंगे।

आपका स्वास्थ्य क्षेत्र-

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य अनुकूल नहीं होगा। भागा-दौड़ी भरी जिन्दगी से आप परेशान होंगे। वर्ष पर्यन्त आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ब्लड-प्रेशर व शुगर से संबंधित जातकों को इसके प्रति सावधानी रखनी जरूरी है। छोटी-बड़ी यात्राओं के दौरान दुर्घटनाओं के प्रति सावचेत रहें। हर काम में अग्रणी रहने के स्वभाव से बचें, क्योंकि अग्रणी रहने के लिये आप अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरतेंगे। किसी कार्य के लिये स्वास्थ्य को देखते हुए मना करना पड़े तो निसंकोच मना करने से हिचकिचाये नहीं।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

खनिज-व्यवसाय, वाहन, यातायात, वायुयान व रेल विभाग, गुप्तचर विभाग में क्लर्क, अधिकारी या चपरासी भी बन सकते हैं। आप किसान, श्रमिक, लोहे का काम करने वाले, सेनेट्री फिटिंग करने वाले, ईंट, कोयला, मोमबत्ती व काली चीजों के व्यवसाय से भी लाभ उठा सकते हैं। यात्राओं के कार्य से भी आपको लाभ मिल सकता है। आप जमींदार, हठयोगी एवं विधानसभा, संसद आदि के सदस्य भी बन सकते हैं। विदेश नीति निर्धारक या विदेश मंत्री का पदभार आप भली-भांति निभा सकते हैं। आप हकीम, वैद्य व चिकित्सक भी बन सकते हैं।

आपकी राशि के शुभ अंक

इस वर्ष आपकी राशि के शुभ अंक 4, 6 तथा 8 है। इन राशि अंकों का उपयोग कर आप प्रायः शुभलाभ प्राप्त कर सकते हैं। दैनिक जीवन में इन अंकों का प्रयोग आपके लिये लाभदायी सिद्ध होगा।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

इस वर्ष मकर राशि के लोगों की सहयोगी राशियाँ वृष, तुला, कुम्भ और मीन है। इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप वृष और मीन राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। तुला

और कुम्भ राशि के लोगों से आपको अच्छा सहयोग मिलेगा। यह राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होंगी। आप अपनी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी इनको अपने करीब पायेंगे।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक 6 और 8 है। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको बड़ा लाभ हो सकता है। इनको अवश्य व्यवहार में लायें।

आपका शुभ रंग

इस वर्ष आपका शुभ रंग काला, सलेटी, फिरोजी और नीला है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके लिये लाभदायक रहेगा।

शुभ रत्न व उपरत्न

इस वर्ष आपका शुभ रत्न नीलम है। नीलम शनि का रत्न है अतः यह शनि देव के दुष्प्रभाव को कम करता है। आप नीलम धारण करें तो आपके लिये बहुत लाभदायी रहेगा। नीलम थोड़ा महंगा रत्न है अतः आम आदमी इसे नहीं खरीद सकता अतः इसके अभाव में आप उपरत्न के रूप में नीला कटैला भी धारण कर सकते हैं।

मित्र एवं पार्टनर-

आप इस वर्ष साझेदारी में कोई व्यापार शुरू कर रहे हैं तो समय अच्छा है। लेकिन साझेदारी में व्यापार शुरू करने से पहले हर बात पर अच्छी तरह से गौर कर लें। आप अपने व्यापार में महिला वर्ग का भी उत्तम सहयोग प्राप्त करेंगे। जहां तक हो सके आप अपनी मित्र राशियों के व्यक्तियों से व्यापारिक सम्बन्ध बनायें तो आपके लिये अच्छा रहेगा। आप वृष, तुला, कुम्भ और मीन राशि के व्यक्तियों के साथ व्यवहार कर सकते हैं, लाभ में रहेंगे। मित्रों का सहयोग बराबर मिलता रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग भी आपके साथ रहेगा। आपके पार्टनर भी ज्यादा से ज्यादा व्यापार की तरफ ध्यान देंगें। ईमानदारी की नीति अपनाकर चलने से साझेदारी लम्बे समय तक चलेगी और आप उचित धन भी कमायेंगे लेकिन हर बात खुली और स्पष्ट रूप से रख लें।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्यवृद्धि हेतु आपके जीवनकाल के 17, 19, 26, 28, 35, 37, 44, 46, 53, व 55 वें वर्ष ठीक रहेंगे। भाग्योदय/ भाग्यवृद्धि हेतु काली के पाठ करने चाहिए एवं रुद्राभिषेक भी करना या करवाना चाहिए। यदि यह सम्भव न हो तो सात बिल्व पत्र शिवलिंग पर पूर्व की ओर मुहँ करके अर्पित करने चाहिए। घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करनी चाहिये।

क्या व कब दान करें?

दुर्भाग्य मुक्ति एवं कष्ट निवारण के लिए आप **"ॐ शं शनैश्चराय नमः"** मंत्र के 23000 जप हकीक माला से अथवा रुद्राक्ष माला से करें। काले उड़द, तिल्ली का तेल, नीम, काले तिल, काला कपड़ा, कुल्थी, लोहा, चमड़े के जूते, कस्तूरी व सोना दक्षिणा के साथ किसी शनिवार को शनि का दान लेने वाले को दान करें।

शुभ आराध्य देवता

आपकी राशि अनुसार इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता भोलेनाथ शिव और धनपति कुबेर है। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें।

आपका शुभ यंत्र

जैसा की आपने जाना इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता भोलेनाथ शिव और धनपति कुबेर हैं, अतः इनके शुभ यंत्र श्रीसुमेरुपृष्ठ पारद कुबेर यंत्र और कनकधारा यंत्र स्थापित करें। यदि आप जीवन में शुभता लाना चाहते हैं तो प्रतिदिन इन यंत्रों की पूजा करें। नित्य धूप-अगरबत्ती और पूजा करें।

शुभ दिनांक एवं शुभ वार

इस वर्ष आपके लिये शुभ दिनांक 8, 17, 22, 24, 26 और 28 है। किसी भी माह की इन दिनांकों को यदि आप व्यापार, व्यवसाय, घर-परिवार आदि से संबंधित किसी भी कार्य में हाथ डालते हैं तो आप अवश्य सफल होंगे। असफलता की संभावनाएं आंशिक ही बनेंगी जबकि सफलता की पूर्ण संभावनाएं इन दिनांकों को रहेंगी। शुभ दिनांकों के साथ ही आप शुभ वार का भी ध्यान रखें। इस वर्ष आपके लिये शुभ वार सोमवार, शुक्रवार तथा शनिवार है। शुभ दिनांक व शुभ वार में किया गया कोई भी कार्य निश्चित ही शुभ फलदायी होगा।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

यदि दाम्पत्य जीवन में तनाव चल रहा हो तो भगवान शिव के मन्दिर में सोमवार के दिन कच्चे दूध में कुछ शहद मिलाकर चढ़ाना चाहिए तथा अपने शयनकक्ष में मोरपंख सजाना चाहिए।

इस वर्ष आप शनि की साढ़ेसाती व ढैय्या किसी से भी ग्रसित नहीं है इसलिए आप शनि के प्रभाव से मुक्त रहेंगे। निश्चिंत होकर अपना जीवन गुजारें।

बंदरो की सेवा करें। दूध में चीनी डालकर वट वृक्ष पर डालें। असत्य बातों से दूर रहें। मद्यपान का सेवन करने से बचें। बहते पानी में दूध डालें। अपने पास जेब में स्वर्ण तथा केसर रखें। चींटियों को काले तिल मीठा डालकर खिलाएं। तवा, चकला, बेलन, धर्म स्थान में देवें। काला, नीला, फिरोजी रंग के वस्त्र धारण करें। काले तिल व उड़द जल में शनिवार को एक बार प्रवाह करें। शहद मिट्टी के बर्तन में भरकर निर्जन स्थान में दबाएं।

यह उपाय आप किसी भी दिन शुरू कर सकते हैं। कोई भी उपाय एक दिन में एक करें। इनके करने से बुरे ग्रहों की अशुभता खत्म होगी तथा सुख-शांति व धन की प्राप्ति अवश्य होगी। सूर्य ढ़लने के बाद कोई उपाय न करें।

मकर राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

यदि आप धन-समृद्धिपूर्ण जीवन के अभिलाषी हैं तो अपने गल्ले या तिजोरी में नीले रंग का वस्त्र बिछाएँ।

यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नहीं हो रहा हो तो अपने घर में केले के दो पौधे उगाकर उनकी देखभाल करें। नित्य उसके समीप दीपक जलाएँ।

यदि किसी भी कार्य में सफलता एवं स्थिरता नहीं मिल रही हो तो शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी के मन्दिर में जाकर नारियल चढ़ाएँ।

यदि उत्साह भंग हो गया हो तथा किसी भी कार्य में मन नहीं लग रहा हो तो गुरुवार के दिन किसी मन्दिर में केले का पौधा लगाएँ तथा उस पौधे के लिए आवश्यक खाद पानी का इंतजाम भी करते रहें, ताकि पौधा देखभाल के अभाव में सूख न जाए। प्रत्येक गुरुवार के दिन उस पौधे के समीप आटे का बना गौघृत का एक दीपक जलाएं।

यदि आप अकस्मात् धन की प्राप्ति के इच्छुक हों तो आपको सफेद आक के पौधे को लगातार 41 दिनों तक सींचना चाहिए।

यदि धनमार्ग अवरुद्ध हो रहे हों तो किसी मिट्टी के पात्र में शहद भरकर उसे श्मशान में छोड़ आएं।

साढ़ेसाती एवं ढैय्या का विचार-

आपको वर्तमान समय किसी भी प्रकार से शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव नहीं है।

♦♦♦

कुंभ- गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

यह वर्ष आपके लिए किसी भी दृष्टिकोण से शुभ नहीं कहा जा सकता। वर्षपर्यंत अनेकानेक परेशानियां, कठिनाईयां, निरर्थक भागदौड़, टेंशन, डिप्रेशन, मानसिक अशांति, वैचारिक मतभेद, अस्थिरता, रोग, शोक, चोट दुर्घटना, धनक्षति, मानहानि, कोर्ट-कचहरी, मुकद्मेबाजी, पुलिस केस, पारिवारिक व कौटुंबिक परेशानियों व मित्रों के मध्य गलतफहमियां आदि के शिकार होंगे, विशेषकर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां वर्ष के आरंभ से ही नजर आयेगी। स्नायु विकार गठिया व उदरपीड़ाएं आपको परेशनी करेगी।अपने द्वारा किये गये प्रयासों का फल आप पूर्ण रूप से नहीं उठा सकेंगे। व्यावसायिक दृष्टि से की गई यात्राओं का फल भी आपको नहीं मिलेगा। वर्ष के मध्य में विवाह योग्य संतानों का विवाह होगा लेकिन कुछ परेशानियों के साथ। अगर आप कोई व्यापार कर रहे हैं तो वह मंद गति से आगे बढ़ेगा, स्वास्थ्य भी बराबर आपको प्रभावित करता रहेगा। अगर आप शेयर व सट्टे से जुड़े हैं तो आपको वर्ष के मध्य में लाभ होगा, आकस्मिक धन लाभ होगा लेकिन आप पैसा संचय नहीं कर पायेंगे। प्रियजनों व कुटुंबीजनों की दुर्घटना आपको विचलित करेगी। स्त्री जातकों को पति की ओर से सहयोग ना के बराबर ही मिलेगा। माता-पिता को लेकर कुछ परेशानी रह सकती है। इस वर्ष भवन निर्माण का कार्य होने के योग हैं। नया भवन या वाहन खरीद के अवसर भी प्राप्त होंगे। दाम्पत्य जीवन में शांति बनाये रखें अन्यथा मधुरता समाप्त हो सकती है। अपने क्रौध पर पूर्ण नियन्त्रण रखें।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम नहीं है। सावधानी रखकर ही समय निकाला जा सकता है। पैसा तो आयेगा लेकिन आप इसे संचित नहीं कर पायेंगे। पैसा कब आया और कब गया यह स्थिति रहेगी। स्थयी संपत्ति में भी इस वर्ष कोई फेर बदल के योग नहीं बन रहे हैं। इसलिए इस मामले में निर्णय अपनी बुद्धि व चतुराई से ही करें। नौकरी पेशा व्यक्ति नौकरी ना बदलें तो ही अच्छा रहेगा। लेकिन प्रमोशन के योग इस वर्ष आपके लिए बन रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से आपको सोच-समझकर योजना बनाकर कार्य करने की जरूरत है। मित्रों से अपेक्षित दूरी बनाए रखें। वरना कोई नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। घर में कोई छोटा-मोटा काम की शुरूआत करनी है तो सिर्फ योजना तक ही सीमित नहीं रहें उसकी क्रियान्विति भी अवश्य करें। सट्टे व शेयर में पैसे नहीं लगायें जो कुछ करना है समझदारी व विवेक से करें ताकि आपके पैसे फंसे नहीं।

घर और परिवार-

घर परिवार के तरफ से आपको इस वर्ष पूरा सहारा मिलेगा, बदले में आपसे भी सहयोग की आशा करेंगे। छोटे भाई-बहिनों का ध्यान पूरा रखें नहीं तो उनका स्वास्थ्य खराब होने से आप परेशानी में जायेंगे। अगर आप नौकरी करते हैं तो आपकी गृहस्थी सुखपूर्वक व्यतीत होगी। अगर घर में कोई अविवाहित है तो विवाह करने के योग घटित होते हैं। विवाहितों को संतान प्राप्ति की इच्छा इस वर्ष पूर्ण होगी। माता का स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। अगर माता नौकरी कर रही है तो इस वर्ष उनको किसी प्रकार का खतरा नहीं लेना चाहिए। अगर माता को जेवरात व गहने वगैरह खरीदने हैं तो योग उत्तम है। संतान का स्वास्थ्य ठीक-ठीक रहेगा। अगर अभ्यासकर्ता है तो इस वर्ष कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी वरना किसी विषय में कम मार्क्स प्राप्त हो सकते हैं। संतान अगर नौकरी पाना चाहती हैं तो उन्हें मिलेगी अगर नौकरी रत है तो उन्हें इस वर्ष लाभ ही लाभ होगा। जीवनसाथी अपने आपमें मस्त रहेंगे वह आपको जोश दिलाते रहेंगे वह आपका सहारा बनेंगे। छोटे-बहिन इस वर्ष पूरी तरह से व्यस्त रहेंगे। छोटे भाई-बहिनों के साथ आपका व्यवहार विचित्र रहेगा। पिता का स्वास्थ्य भी पूरी तरह ठीक नहीं रहेगा। अपनी संतान के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ बने रहेंगे तथा बदले में संतान भी आपका हर संभव सहयोग करेगी।

स्थायी सम्पत्ति-

इस वर्ष नई संपत्ति के क्रय के योग बनते हैं लेकिन बहुत कम। आपकी स्थायी संपत्ति में आप नवनिर्माण, पुर्ननिर्माण कार्य करें लेकिन संभलकर नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। अगर आप किसी यात्रा पर जा रहे हैं तो सोच समझकर यात्रा करें। ज्वैलरी व गहनों को खरीदने का योग बना हुआ है। अपने ऑफिस, दुकान व घर के इंटीरियर को लेकर कुछ पैसा व्यय हो सकता है जिसकी चिंता आपको सताती रहेगी। संतान का मौज शौक की तरफ रूझान रहेगा। संतान के नाम से संपत्ति का क्रय हो सकता है। जीवनसाथी के नाम से संपत्ति का क्रय हो सकता है। उनकी सहमति से निर्णय लें तो लाभान्वित होंगे। घर में आधुनिक उपकरणों का उपभोग अधिकाधिक मात्रा में होगा।

स्त्री वर्ग के लिये-

स्त्रियों के लिए यह वर्ष स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रतिकूल रहेगा। मासिक धर्म व हिम्मोग्लोबिन की छोटी-मोटी परेशानियों से आप दो-चार होंगे। ज्यादा काम-काज आपकी सेहत को प्रभावित करेगा। शिक्षा की दृष्टि से आपको विज्ञान विषयों में ज्यादा मेहनत की जरूरत पड़ेगी। परिवार की दृष्टि से आपकी नजर विशेष रूप से अपने परिवार पर बनी रहेगी। आपको पारिवारिक सहयोग मिलेगा। संतान की शिक्षा व उसके रहन-सहन के प्रति आप चिन्तित होंगे। पैसे को लेकर वाद-विवाद खड़े हो सकते हैं। अधिनस्थों व अधिकारियों के कोप का भाजन बनना पड़ सकता है। इस वर्ष पति का सहयोग आपको पूर्णतः नहीं मिल पायेगा। अविवाहित लड़कियां संतान हैं तो विवाह संबंध के योग हैं। शादी-शुदा जिन्दगी में थोड़ी कड़वाहट के पश्चात् शांति हो जायेगी। नौकरी करने वाली स्त्रियों को इस वर्ष कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा लेकिन साथ ही उन्नति तथा प्रमोशन की भी भरपूर संभावनाएं रहेंगी। आर्थिक स्थिति से यह वर्ष आपके लिये प्रतिकूल होगा। कार्य स्थल पर आपको अपने सभी कर्मचारियों का सहयोग मिले यह आवश्यक नहीं। इसलिए ज्यादा निगरानी की आवश्यकता है।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष काफी अच्छा रहेगा। लेकिन अच्छा जानकर ज्यादा लापरवाही से काम न लें। बारहवीं के विद्यार्थियों को मेहनत का समय है थोड़ा परिश्रम आपको अच्छा परिणाम प्राप्त करने में सफल होगा। विज्ञान, गणित व भौतिक शास्त्र के विद्यार्थियों के लिए समय परिश्रम का है। बिना परिश्रम के वह अच्छे हासिल नहीं कर सकेंगे। वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए समय मध्यम है। इसलिए उन्हें अच्छे अंक के लिए मेहनत करनी होगी। सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए परिणाम अच्छे रहेंगे। इस

वर्ष आप मित्रों की सलाह ना ही माने तो अच्छा है। यह समय मौज-शौक में व्यस्त रहने का नहीं है। वर्ष के अंत में आपको लगेगा कि आपने जो मेहनत की थी उसका लाभ आपको भरपूर मिला है। शोध कार्य से जुड़े विद्यार्थियों को विशेष सफलता मिलेगी।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। वर्ष के आरंभ में ही आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाहन चलाने में सावधानी रखें अन्यथा दुर्घटना होने के आसार भी बने हुए हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें, नहीं तो ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ सकती है। मित्रों व रिश्तेदारों के साथ कोई साझेदारी नहीं करें अन्यथा आपको लाभ के स्थान पर घाटे की अवस्था भी आ सकती है। समय-समय पर मौसमी बीमारियों के प्रति सावचेत रहना होगा। इस समय आप अपनी छवि सुधारने के प्रति अधिक सावचेत रहेंगे। स्वयं को तनाव मुक्त करने के लिये अपनी सहज बुद्धि, व्यवहारिकता व आदर्शों का सहारा लें तथा बातों को उलझाएं बिना मतभेदों से बचें। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने से बचें। आय के नवीन स्तोत्र खोजना आपके लिये अधिक महत्वपूर्ण होगा। धन व भौतिक मुद्दे इस वर्ष आपके लिये विशेष महत्वपूर्ण होंगे। आप इस वर्ष शारीरिक व मानसिक तौर पर अधिक परेशान हो सकते हैं।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आपकी मैत्री मेष, सिंह व धनु राशि वालों से अच्छी निभेगी किन्तु कन्या, वृश्चिक व मकर राशि वालों से आपको हानि पहुँचेगी। आप ठेकेदारी, सड़क, भवन निर्माण की सामग्री का काम, चमड़ा, प्लास्टिक, वस्त्र, दरियाँ व कालीन का व्यवसाय, खेती व फल का काम ट्रेवलिंग एजेन्सी, लोहा, तेल, मोटर पार्ट्स, उड़द, कोयला, पेट्रोलियम पदार्थ, कोरियर का काम कर सकते हैं। सरकारी सेवा में आप ज्यादा सफल रहेंगे। शारीरिक श्रम करने की क्षमता आप में ज्यादा है अतः शारीरिक श्रम से होने वाले कार्य, नौकरी व व्यवसाय करना आपके लिए ठीक रहेगा।

कब होगा आपका भाग्योदय?

भाग्यवृद्धि हेतु जीवन के 23, 24, 30, 32, 33, 40, 41, 42, 44, 50, 51, 53, 60, 61 व 62वें वर्ष अच्छे रहेंगे। तीस वर्ष की आयु के बाद भाग्योदय अच्छा होगा। नीलम रत्न धारण करने पर आपकी भाग्यवृद्धि अच्छी होगी। पश्चिम दिशा में आपको लाभ ज्यादा मिलेगा। भाग्योदय/भाग्यवृद्धि के लिए आप कंचन कान्तियुक्त, स्वर्णमय श्रीयंत्र का उपयोग करें। नित्य कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करने पर भी उपयुक्त फल प्राप्त कर सकते है-

कुबेर त्वं धनाधीश गृहेत्ते कमला स्थिता।
तां देवीं प्रेषयाशु त्वं मद् गृहे ते नमो नमः।।

क्या व कब दान करें?

दुर्भाग्य मुक्ति एवं कष्ट निवारण के लिए आप शनि का मंत्र **"ॐ शं शनैश्चराय नमः"** मंत्र के 23000 जप हकीक माला से अथवा रुद्राक्ष माला से करें। काले उड़द, तिल्ली का तेल, नीम, काले तिल, काला कपड़ा, कुल्थी, लोहा, चमड़े के जूते, कस्तूरी व सोना दक्षिणा के साथ किसी शनिवार को शनि का दान लेने वाले को दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आपको चाहिये कि यदि नये पार्टनर या मित्र बनाएं तो यह ध्यान रखें कि मिथुन, कन्या, मीन, कुम्भ और तुला राशि के व्यक्तियों को ही महत्व दें। इन्हीं राशि के मित्रों, पार्टनरों तथा अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। इन्हीं राशियों के स्थान, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों से आपके कार्य सिद्ध होंगे। इन राशियों से संबंधित प्रत्येक क्षेत्र आपके लिये लाभदायी सिद्ध होंगे। अतः इन राशियों को ध्यान में रखकर ही कोई महत्वपूर्ण निर्णय लें।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

मिथुन, कन्या, मीन, कुम्भ और तुला इन राशि वाले लोगों के साथ इस वर्ष आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप मिथुन, कन्या, और तुला राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। कुम्भ व मीन राशि के लोगों के साथ आपका अच्छा सहयोग व मानसिक स्थिरता रहेगी। उपरोक्त सभी राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होगी।

आपकी राशि के शुभ अंक-

इस वर्ष आपकी राशि के शुभ अंक 4, 6 तथा 8 हैं। इन राशि अंकों का उपयोग कर आप प्रायः शुभ लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक-

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक 4, 8, 15, 17 और 22 हैं। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको लाभ हो सकता है।

आपका शुभ रंग

इस वर्ष आपका शुभ रंग काला, सलेटी, नीला और फिरोजी है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके हित में होगा।

शुभ रत्न व उपरत्न

इस वर्ष आपका शुभ रत्न नीलम और पन्ना है। आप नीलम या पन्ना धारण करें तो आपके लिये लाभदायी रहेगा। नीलम शनि ग्रह का रत्न है और पन्ना बुध ग्रह का। पन्ना बुद्धि और विवेक को प्रभावित करता है। नीलम धारण करने पर आप पर शनि देवता का दुष्प्रभाव कम होगा और आपको सभी जगह असफलताओं का मुँह नहीं देखना पड़ेगा। पन्ना धारण करने पर आप तीव्र गति से सोचने और शीघ्र निर्णय लेने में सक्षम होंगे। इनके अभाव में आप ओनेक्स, हरित मणि, हरा जेड तथा लाजवर्त धारण कर सकते हैं।

शुभ आराध्य देवता

इस वर्ष आपके शुभ आराध्य देवता भोलेनाथ शिव और माँ काली है। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें। कैलाशपति शिव और काली की कृपा दृष्टि से आपका सुख-सौभाग्य का क्षेत्र सक्रिय हो उठेगा।

आपका शुभ यंत्र

इस वर्ष आपके शुभ यंत्र शनि यंत्र और बगलामुखी यंत्र हैं। इन यंत्रो को स्थापित करें और नित्य पूजा-अर्चना कर मंत्र जाप करें।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

छत पर ईंधन आदि न रखें। मांसादि, शराब का सेवन न करें। दक्षिण दिशा के मकान का परित्याग करें। अपने पास चांदी का टुकड़ा रखें। सरसों का तेल रोटी पर लगाकर कुत्ते को खिलाएं। धर्म स्थान में गैस का सिलेण्डर दान करें। तिल, उड़द, काला कपड़ा, चाकू दान करें। उड़द की दाल की खिचड़ी शनिवार को कौओं को खिलाएं। सोना धारण करें। तेल का दान शनिवार को करें।

कुम्भ राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

जीवन में मान-प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए आपको प्रतिदिन भोजन से पूर्व गौग्रास निकालना चाहिए। यदि प्रातःकाल के

भोजन बनाते समय आप प्रथम रोटी गाय के लिए निकालें तो जीवन में मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है।

यदि आपको मनोकामना की पूर्ति करनी हो तो गुरुवार के दिन किसी मन्दिर में जाकर श्रमदान करें। लगातार यह प्रयोग करने से 7 गुरुवार के अन्दर आपकी इच्छा अवश्य पूर्ण होगी।

यदि पैतृक धन एवं कुटुम्ब से जुड़ी परेशानियाँ चल रही हों तो गुरुवार के दिन पीले चन्दन से माथे पर तिलक लगाएं। किसी भी मन्दिर या धर्मस्थल के सामने से निकलें तो अपना सिर झुकाते हुए मन ही मन प्रणाम करें।

यदि मानसिक एकाग्रता भंग हो रही हो, प्रेम-प्रसंगों में प्रतिकूलता मिल रही हो तो बुधवार के दिन घर में बागवानी करें। कोई नया पौधा लाकर लगाएं तथा उसकी देखभाल करते रहें। कुछ समय के लिए मौन-व्रत करने से भी आपको परेशानियों से मुक्ति मिलेगी।

यदि किसी भी कार्य में सफलता एवं स्थिरता नहीं मिल रही हो तो मंगलवार के दिन भोजपत्र पर लाल चन्दन से इच्छित कार्य को लिखकर उसे पूजाघर में हनुमानजी के चरणों में रख दें।

महत्वपूर्ण कार्यों के समय नीले एवं गहरे रंग के वस्त्र धारण करने से आपका जीवन सुखमय होगा।

यदि धनमार्ग अवरुद्ध हो रहे हों तो गुरुवार के दिन केले के फलदार पेड़ के नीचे गौघृत का दीपक जलाएँ।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

वर्तमान में आपको साढ़ेसाती अथवा ढ़ैय्या कुछ भी नहीं है।

♦♦♦

मीन-दी, दू, थ, झ, ज, दे, दो, चा, ची

संक्षेप में आपके लिये यह वर्ष-

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अनुकूल नहीं रहेगा। वर्ष के आरंभ में ही आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। वाहन चलाने में सावधानी रखें अन्यथा दुर्घटना होने के आसार भी बने हुए हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें, नहीं तो ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ सकती है। मित्रों व रिश्तेदारों के साथ कोई साझेदारी नहीं करें अन्यथा आपको लाभ के स्थान पर घाटे की अवस्था भी आ सकती है। जिससे आपको अस्पताल के चक्कर लगाने पड़े तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। समय-समय पर मौसमी बीमारियों के प्रति सावचेत रहना होगा। इस समय आप अपनी छवि सुधारने के प्रति अधिक सावचेत रहेंगे। स्वयं को तनाव मुक्त करने के लिये अपनी सहज बुद्धि, व्यवहारिकता व आदर्शों का सहारा लें तथा बातों को उलझाएं बिना मतभेदों से बचें। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने से बचें। आय के नवीन स्तोत्र खोजना आपके लिये अधिक महत्वपूर्ण होगा। धन व भौतिक मुद्दे इस वर्ष आपके लिये विशेष महत्वपूर्ण होंगे। आप इस वर्ष शारीरिक व मानसिक तौर पर अधिक परेशान हो सकते हैं।

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति-

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। लेकिन आप अपने कमाये गये धन को अपनी संतान, अपने जीवनसाथी या अपने परिवार पर खर्च करेंगे। सट्टे या शेयर में अगर पैसे लगाये तो डुबने के आसार भी बनेंगे। नये-नये उपहार देकर आप अपने जीवनसाथी को हर संभव खुश व प्रसन्न रखने की कोशिश करते रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी आपको बराबर मिलता रहेगा। इस वर्ष सम्पत्ति को संभालने में आप असमर्थ होंगे। जो पैसा आया है उसे सहेज नहीं पायेंगे और वह व्यर्थ के कामों में खर्च हो जायेगा। यह वर्ष सिफ मौज-शौक के नाम पर व्यतीत होगा आप चाहकर भी पैसे नहीं बचा पायेंगे। आप कमाई हुई सारी संपत्ति भविष्य के लिए संचित करने में अपने आपको असमर्थ महसूस करेंगे। घर की परिवार की तरफ से आपको खूब मान-सम्मान मिलेगा। माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और उनकी विशेष कृपा दृष्टि भी आप पर बनी रहेगी। पिता का स्वास्थ्य आपको थोड़ा प्रभावित कर सकता है इसलिए उनके स्वास्थ्य की तरफ आपको ध्यान देने की विशेष आवश्यकता है। वर्ष के अंत में आप अपने स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें नहीं तो वर्ष के समाप्त होते-होते आपका स्वास्थ्य भी प्रभावित कर सकता है।

घर और परिवार-

घर परिवार की तरफ से यह वर्ष आपके लिये सुखद नहीं रहेगा। घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। इससे आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। लेकिन कर्ज की स्थिति से बचें सोच समझकर ही खर्च करें। जीवन साथी के साथ सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे। छोटे भाई-बहनों से संबंध मधुर नहीं रहेंगे। वह सिर्फ सहयोग का दिखावा करेंगे। नौकरी व्यापार इत्यादि के लिये प्रयासरत् हैं तो कार्य सम्पन्न होगा। माता का स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। माता यदि नौकरी पेशा या व्यवसायी हैं तो उन्नति प्रमोशन इत्यादि के योग इस वर्ष बहुत कम हैं। आपका स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। पिता का सहयोग भी आपको मतभेदों के पश्चात् प्राप्त होगा। पिता की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। वर्ष के अंत में पारिवारिक संबंध सौहार्दपूर्ण होंगे। लेकिन अविवाहित संतान की समस्या हल होगी। लेकिन विवाह आप वर्ष के अंत में ही करें तो स्थिति आपके पक्ष में रहेगी। विवाहित संतान की तरफ से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। विवाहित संतान आपको दादा-नाना बनने की खुशी दे सकती है। जीवन साथी का स्वभाव कुछ-कुछ परेशानी भरा होगा।

स्थायी सम्पत्ति-

इस वर्ष स्थायी संपत्ति में कुछ फेरबदल होने के योग घटित हो रहे हैं। आप अपनी संपत्ति छोटे या बड़े स्तर पर निर्माण कार्य करवा सकते हैं। अगर आप पिछले कई वर्षों से अपनी किसी पुरानी संपत्ति को बेचना चाह रहे हैं तो इस वर्ष आपको मन मुताबिक लाभ मिल जायेगा। नयी संपत्ति खरीदना चाहें तो इस वर्ष शुभ योग घटित हो रहे हैं। व्यापारिक दृष्टि से आप अपने ऑफिस व अपने कार्य स्थल पर भी कुछ निर्माण कार्य व रिपेयरिंग का कार्य करवा सकते हैं। इस वर्ष आपको कोई आकस्मिक लाभ मिल जाये तो कोई आश्चर्य नहीं क्योंकि धनलाभ के योग इस वर्ष भरपूर हैं। आपका कोई रिश्तेदार आपके लिए अपनी संपत्ति छोड़कर भी जा सकता है। इस वर्ष आप अपने परिवार वालों के लिए सोने-चांदी के कुछ आइटम अवश्य खरीद कर देंगे। जिसके बदले में आप उनसे विशेष आकर्षण व लगाव महसूस करेंगे। सट्टे व शेयर में निवेश करने वालों के लिए कुछ सावधानी जरूरी है ताकि वह कोई नुकसान में न फंस जायें।

स्त्री वर्ग के लिये-

यह वर्ष आपके मन को समझना कठिन होगा। शरीर आपका साथ नहीं देगा फिर भी आप यह महसूस करायेंगे कि आप तरोताजा है। आपका स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा। आप किसी ऐसी परेशानी से चिंतित हो जायेंगे जिससे आपको हिम्मोग्लोबिन के कमी की परेशानी हो सकती है। कोई ऑपरेशन वगैरह भी हो सकता है। अगर आप इस समय कोई शल्य चिकित्सा के बारे में सोच रहे हैं तो वर्षारंभ का समय अच्छा है। स्नातक अध्ययनरत जातिकाएं मेहनत करें। प्रेम-प्रसंगों के संबंध में थोड़ी सावधानी बरतने से सफलता

मिलेगी। अपने वाणी पर नियंत्रण बनाये रखें वरना दाम्पत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। आर्थिक स्थिति इस वर्ष आपकी ठीकठाक रहेगी। माता के स्वास्थ्य को लेकर आप कुछ हद तक निश्चित रहेंगे। संतान पक्ष से संबंध सामान्य रहेंगे। जीवनसाथी के खर्चों से परेशान हो सकते हैं कार्य व्यवसाय में संघर्ष जारी रहेगा। नौकरी पेशा है तो प्रमोशन के योग इस वर्ष नहीं बनेंगे।

विद्यार्थियों के लिये-

विद्यार्थियों के लिये यह वर्ष शिक्षा की दृष्टि से कड़े परिश्रम का रहेगा। शिक्षा के प्रति आपका रूझान रहे इसका आपको भरपूर प्रयत्न करना पड़ेगा। भाग्य आपका साथ देगा लेकिन उसके साथ ही मेहनत की आवश्यकता भी रहेगी। भौतिक शास्त्र, गणित इत्यादि से संबंधित विषयों के छात्रों को अच्छे परिणाम के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो परिणाम बाधित हो सकते हैं। वाणिज्य से संबंधित विद्यार्थियों के लिये समय कुछ हद तक ठीक है। मेडिकल, फॉर्मेसी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक आदि के विद्यार्थियों के लिये समय उनके अनुकूल हो सकता है लेकिन मेहनत भी बराबर करनी होगी। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को भी इस वर्ष अपने परिणाम सुधारने के लिए कड़े संघर्ष की आवश्यकता पड़ेगी। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी अपने अथक प्रयास के बदौलत अच्छे अंक प्राप्त करने में सफल होंगे।

आपका स्वास्थ्य क्षैत्र-

विद्यार्थियों के लिये यह वर्ष शिक्षा की दृष्टि से कड़े परिश्रम का रहेगा। शिक्षा के प्रति आपका रूझान रहे इसका आपको भरपूर प्रयत्न करना पड़ेगा। भाग्य आपका साथ देगा लेकिन उसके साथ ही मेहनत की आवश्यकता भी रहेगी। भौतिक शास्त्र, गणित इत्यादि से संबंधित विषयों के छात्रों को अच्छे परिणाम के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी नहीं तो परिणाम बाधित हो सकते हैं। वाणिज्य से संबंधित विद्यार्थियों के लिये समय कुछ हद तक ठीक है। मेडिकल, फॉर्मेसी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक आदि के विद्यार्थियों के लिये समय उनके अनुकूल हो सकता है लेकिन मेहनत भी बराबर करनी होगी। माध्यमिक शिक्षा के विद्यार्थियों को भी इस वर्ष अपने परिणाम सुधारने के लिए कड़े संघर्ष की आवश्यकता पड़ेगी। उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी अपने अथक प्रयास के बदौलत अच्छे अंक प्राप्त करने में सफल होंगे।

आप कौन-सा व्यवसाय करेंगे?

आपको जीवन में अकस्मात् धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे तथा ब्याज के धंधे में आप लाभ उठायेंगे। शिक्षा विभाग के कर्मचारी, राज्यपाल के सलाहकार, बैरिस्टर, समाज सुधारक, सार्वजनिक निर्माण विभाग के कर्मचारी, जलदाय विभाग एवं आयुर्वेद विभाग के कर्मचारी भी बन सकते हैं। आप आयात-निर्यात, जल संबंधी पदार्थ, जवाहरात, शिल्प, बुनाई आदि का व्यापार भी कर सकते हैं। आप घोड़े, चौपायें जानवरों को घर में भी पाल सकते हैं।

कब होगा आपका भाग्योदय?

आपके भाग्योदय हेतु 20, 21, 22, 23, 24, 27, 31, 37, 43, 45, 54, व 66 वें वर्ष ठीक रहेंगे। भाग्यवृद्धि हेतु **"ॐ गं गणपतये नमः"** मंत्र के 108 जाप प्रवाल की माला से नित्य करें अथवा **"ॐ क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय"** मंत्र की एक माला नित्य जपें। इस प्रकार जप करने से शीघ्र ही आपके भाग्य द्वार खुल जायेंगे।

क्या व कब दान करें?

दुर्भाग्य मुक्ति के लिए एवं कष्ट निवारण के लिए **"ॐ ह्रीं बृहस्पतये नमः"** मंत्र के 19000 जाप करें। पीला कपड़ा, चने की दाल, घी दान करें। और इसके अतिरिक्त सोना, फल, पुखराज, हल्दी, पुस्तक, शहद आदि भी दान करें।

मित्र एवं पार्टनर-

आपको चाहिये कि यदि नये पार्टनर या मित्र बनाएं तो यह ध्यान रखें कि मिथुन, कन्या, मीन, कुम्भ और तुला राशि के व्यक्तियों को ही महत्व दें। इन्हीं राशि के मित्रों, पार्टनरों तथा अधिकारियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे। इन्हीं राशियों के स्थान, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों से आपके कार्य सिद्ध होंगे। इन राशियों से संबंधित प्रत्येक क्षेत्र आपके लिये लाभदायी सिद्ध होंगे। अतः इन राशियों को ध्यान में रखकर ही कोई महत्वपूर्ण निर्णय लें।

आपकी सहयोगी राशियाँ-

मिथुन, कन्या, तुला, कुम्भ और मीन, इस वर्ष इन राशि वाले लोगों के साथ आपका सामंजस्य स्थिर रहेगा। आप मिथुन और कन्या राशि वालों से सहयोग और प्रेम की परिपूर्णता के कारण श्रेष्ठ संबंध रखेंगे। तुला, कुम्भ व मीन राशि के लोगों के साथ आपका अच्छा सहयोग व मानसिक स्थिरता रहेगी। उपरोक्त सभी राशियाँ आपके लिये विपरित परिस्थितियों व भटकाव की स्थिति में भी सहायक होंगी।

आपकी राशि के शुभ अंक-

आपकी राशि के शुभ अंक 2, 3 तथा 9 हैं। इन राशि अंकों का उपयोग कर आप प्रायः शुभलाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इस वर्ष आपके भाग्यशाली अंक-

आपके भाग्यशाली अंक 1, 3, 11, 12, 18, 20, 21 और 27 हैं। इस वर्ष इन अंकों की ओर झुकाव रखें तो आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

आपके शुभ रंग-

आपका शुभ रंग पीला, लाल, नारंगी और जामुनी है। इन रंगो से संबंधित वस्तुओं का लेन-देन करें अथवा इन रंगों का दैनिक जीवन में उपयोग करें तो यह आपके हित में होगा।

शुभ रत्न व उपरत्न-

आपका शुभ रत्न पुखराज है। आप पुखराज धारण करें तो आपके लिये लाभदायी रहेगा। इनके अभाव में आप पीला जरकन या सुनहला उपरत्न के रूप में धारण कर सकते हैं।

शुभ आराध्य देवता-

आपके शुभ आराध्य देवता विष्णु भगवान हैं। इस वर्ष विशेष रूप से आप इनकी पूजा-अर्चना करें। विष्णु भगवान की कृपा दृष्टि से आपके सुख-सौभाग्य का क्षेत्र सक्रिय हो उठेगा और सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

आपके शुभ यंत्र-

आपका शुभ यंत्र गुरु यंत्र और कुबेर यंत्र हैं। इन यंत्रो को स्थापित करें और नित्य पूजा-अर्चना कर मंत्र जाप करें। चमत्कारी रूप से आपको लाभ होगा।

लाल किताब अनुसार राशि दोष उपचार

केसर हल्दी का तिलक लगायें। भाग्य पर पूर्ण भरोसा करें। बुजुर्गों की सेवा करें। पीपल वृक्ष की पूजा करें। पत्नी की सलाह से प्रत्येक कार्य को करें। चांदी का सफेद टुकड़ा अपने पास रखें। गंगाजल घर में अवश्य रखें। पीले फूल के पौधे लगायें, झूठी गवाही न दें। गरूड़-पुराण का पाठ करें। धार्मिकता का पालन करें।

मीन राशि वाले जातकों हेतु उपयोगी टोटके

जीवन में स्थिरता, प्रगति एवं दुविधापूर्ण स्थितियों से बचने के लिए कस्तूरी को अपने पास पीले वस्त्र में लपेटकर रखना चाहिए।

यदि उत्साह भंग हो गया हो तथा किसी भी कार्य में मन नहीं लग रहा हो तो शुक्रवार के दिन माता दुर्गा के मन्दिर में जाकर घी का दीपक जलाना चाहिए। स्वयं सफेद वस्त्र धारण करें।

यदि मानसिक एकाग्रता भंग हो रही हो, प्रेम-प्रसंगों में प्रतिकूलता मिल रही हो तो सोमवार को शिवलिंग पर कच्चे दूध में शहद मिलाकर चढ़ाना चाहिए। मीठे चावल कौवों को खिलाना चाहिए।

यदि दाम्पत्य जीवन में तनाव चल रहा हो तो आप बुधवार के दिन पानी में कुछ फिटकरी डालकर स्नान करें। घर के मुख्यद्वार के समीप किसी हरे-भरे पौधे को लगाएँ। अपने शयनकक्ष में हरे रंग की वस्तुओं का प्रयोग करें।

यदि पर्याप्त धनार्जन के बावजूद धन संचय नही हो रहा हो तो अपने गल्ले या तिजोरी में नीले रंग का वस्त्र शनिवार के दिन बिछाएँ। लोहे एवं चमड़े की बनी वस्तुएँ शनिवार के दिन नहीं खरीदें।

महत्वपूर्ण कार्यों के समय पीले रंग के वस्त्र धारण करने से आपका जीवन सुखमय होगा।

यदि वाद-विवाद एवं दुर्घटना आदि के कारण धन का अपव्यय हो रहा हो, तो कुत्ते को तेल चुपड़कर रोटी खिलाएँ। सुरमें को काँच की शीशी में भरकर जमीन में गाड़ें।

साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या का विचार-

आपको वर्तमान समय किसी भी प्रकार से शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव नहीं है। इसलिए शनि से संबंधित किसी भी प्रकार का कोई उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। अतः आप इस वर्ष निश्चिंत होकर जीवन व्यतीत करें।

♦♦♦